दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

खुश रहना चाहती हैं तो इन गलतियों से बचें.....

जिंदगी हो जाएगी आसान.....

वर्ष : 10 अंक : 256 लखनऊ, 28 अगस्त, बुधवार 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

बच्चों को प्रतिमाह 4000 रुपये दे रही है योगी सरकार

लाभ लेने के लिए कुछ शर्तों को करना होगा पूरा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अनाथ, परित्यक्त और बाल भिक्षुओं (ओएएस) को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए योगी सरकार स्पांसरशिप योजना चला रही है। केंद्र सरकार के मिशन वात्सल्य कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 11860 बच्चों को 14.23 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जा चुकी है।

योगी सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 20 हजार बच्चों को योजना से लाभांवित करने का लक्ष्य रखा है। इस योजना में 18 साल तक उम्र के ओएएस बच्चों को प्रतिमाह चार हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इस योजना में पिछले वित्तीय वर्ष में सात हजार से अधिक बच्चों को 9.10 करोड़ रुपये की सहायता दी गई थी।

खर्च कौन उठाता है?

महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव बी चंद्रकला ने बताया कि ओएएस बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 जुलाई 2022 को स्पांसरशिप योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना में केंद्र सरकार 60 और राज्य सरकार 40 प्रतिशत खर्च वहन करती है।

योजना का मुख्य उद्देश्य ओएएस बच्चे के भविष्य को सुनहरा बनाने के साथ उनके स्कूली जीवन को सुनिश्चित करना है। इस योजना का लाभ ऐसे अभिभावकों को दिया जा रहा है,

जिनकी आय ग्रामीण क्षेत्रों में 72 हजार रुपये और शहरी क्षेत्रों में 96 हजार रुपये वार्षिक है। वहीं, जिनके माता-पिता या कानूनी अभिभावक दोनों की मृत्यु हो गई है, उन्हें आय सीमा में छूट दी गई है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक संदीप कौर ने बताया कि बाल तस्करी, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति से बचाए गए, प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित या दिव्यांग बच्चों को इस योजना में सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा जेल में बंद माता-पिता वाले बच्चों, एचआइवी/एड्स से प्रभावित लोगों और जिनके अभिभावक आर्थिक, शारीरिक या मानसिक रूप से उनकी देखभाल करने में असमर्थ हैं, उन्हें भी सहायता प्रदान की जा रही है। इतना ही नहीं फुटपाथ पर जीवनयापन करने वाले, उत्पीड़न या शोषण के शिकार बच्चों को सहायता देने के साथ पुनर्वास की भी सुविधा प्रदान की जा रही है।

पीएम मोदी ने की केरल के सीएम विजयन से मुलाकात

वायनाड पुनर्वास योजना पर हुई चर्चा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली में केरल के सीएम पिनाराई विजयन से मुलाकात की. वायनाड में भारी भूस्खलन के बाद पिनाराई विजयन ने दिल्ली का दौरा किया। बैठक की जानकारी देते हुए केरल सीएमओ ने बताया कि बैठक में वायनाड के पुनर्वास पर चर्चा हुई। इसके अलावा, राज्य सरकार ने एक अतिरिक्त, विस्तृत ज्ञापन भी प्रस्तुत किया है, जिसका केंद्र ने अनुरोध किया था। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण केरल के वायनाड में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिसमें 308 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए और लापता हो गए।

30 जुलाई को हुए भूस्खलन ने विनाश का निशान छोड़ दिया, विशेष रूप से मेप्पाडी क्षेत्र के चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों में। कठिन परिस्थितियों को देखते हुए, भारतीय सेना और वायु सेना ने एनडीआरएफ के साथ मिलकर बचाव अभियान में कदम रखा और एक हजार से अधिक लोगों की जान बचाई। बचाव अभियान के दौरान, प्रभावित क्षेत्रों को पहुंच और लापता व्यक्तियों की बरामदगी की संभावनाओं के आधार पर छह क्षेत्रों अर्थात जोन 1 - पुंचिरीमट्टम क्षेत्र, जोन 2 - मुंडेक्कई क्षेत्र, जोन 3 - स्कूल क्षेत्र, जोन 4 - चूरलमाला शहर क्षेत्र, जोन 5 - ग्राम क्षेत्र और जोन 6 - डाउनस्ट्रीम में विभाजित किया गया था।

उत्तर प्रदेश सरकार ने भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए केरल सरकार को 10 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी। आदित्यनाथ ने एक पत्र में कहा कि इस कठिन परिस्थिति के दौरान उनकी सरकार और उप्र के लोग केरल के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,332.72

निफ्टी 24,834.85

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में 2023 में अनावरण की गई 35 फीट ऊंची शिवाजी प्रतिमा गिरी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति का अनावरण वर्ष 2023 में ही किया था। अनावरण किए जाने के कुछ ही महीनों के बाद ये विशाल प्रतिमा ढह गई है। इस प्रतिमा के ढहे जाने के बाद विवाद भी उत्पन्न हो गया है। इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

शिवाजी की मूर्ति ढह गई

सिंधुदुर्ग के मालवन में राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति सोमवार को दोपहर करीब 1 बजे ढह गई। एक अधिकारी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद, वरिष्ठ पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी स्थिति का जायजा लेने और नुकसान का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि 35 फुट ऊंची स्टील की प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री मोदी ने 4 दिसंबर, 2023 को नौसेना दिवस समारोह के अवसर पर किले में किया था। प्रतिमा पर काम 8 सितंबर को शुरू हुआ और भारतीय नौसेना को यह काम सौंपा गया, क्योंकि उसे प्रतिमा निर्माण में कोई विशेषज्ञता नहीं है। घटना के बाद एक बयान जारी करते हुए नौसेना ने कहा कि वह आज सुबह छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को हुई क्षति पर गहरी चिंता व्यक्त करती है राज्य सरकार और संबंधित विशेषज्ञों के साथ, नौसेना ने इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के कारण की तुरंत जांच करने और जल्द से जल्द प्रतिमा की मरम्मत, पुनर्स्थापना और पुनर्स्थापना के लिए कदम उठाने के लिए एक टीम तैनात की है।

अरविंद केजरीवाल को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली की एक अदालत ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ा दी। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख को पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किए जाने के बाद राउज एवेन्यू अदालत ने केजरीवाल की हिरासत बढ़ा दी।

दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मनीष सिसोदिया के बाद अब के कविता को भी जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में बीआरएस एमएलसी के कविता को जमानत दे दी। अदालत ने मामले में की जा रही जांच की प्रकृति को लेकर सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की खिंचाई की। तेलंगाना के पूर्व सीएम के.चंद्रशेखर की बेटी के कविता 15 मार्च से हिरासत में हैं। सुनवाई के दौरान, जस्टिस बीआर गवई और के वी विश्वनाथन की सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई से पूछा कि उनके पास यह साबित करने के लिए क्या सामग्री है कि के कविता कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में शामिल थीं।

कोलकाता में छात्रों का उग्र प्रदर्शन

हावड़ा ब्रिज पर तोड़ दी लोहे की दीवार, लाठीचार्ज के बाद छोड़े गए आंसू गैस के गोले

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

कोलकाता में 'नबन्ना अभिजन' विरोध मार्च अराजक हो गया है क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ दिए और पुलिस पर पथराव किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे और आरजी कर अस्पताल में एक डॉक्टर के कथित बलात्कार-हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार को छात्र समाज की 'नबन्ना अभिजन' रैली में सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में युवाओं को हाथों में

तिरंगे और बलात्कार मामले में कार्रवाई की मांग वाले बैनर लिए सचिवालय की ओर मार्च करते देखा गया। कोलकाता के दृश्यों से पता चला कि कई छात्रों ने उन्हें रोकने के लिए पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को तोड़ने की कोशिश की।

छात्रों ने हावड़ा ब्रिज पर बनी 'लोहे की दीवार' भी तोड़ दी है। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया है। साथ ही साथ पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और पश्चिम बंगाल पुलिस ने रैली के दौरान संभावित व्यवधान की आशंका व्यक्त की है, लेकिन, छात्र संगठन ने कहा कि उसकी रैली शांतिपूर्ण होगी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने रैली को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये हैं। आज सुबह 8 बजे से ही कोलकाता पुलिस के 6,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए। राज्य सचिवालय के पास 20 से अधिक बिंदुओं पर लोहे और एल्यूमीनियम के बैरिकेड लगाए गए हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के लिए संरचनाओं पर चढ़ने और पार करने के लिए फिसलन पैदा करने के लिए बैरिकेड्स पर तेल भी लगाया है।

प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन और रोबोकॉप का इस्तेमाल किया जा रहा है। पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले भी तैयार रखे गए हैं. दंगा रोधी वज्र वाहन भी तैयार हैं। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि ममता बनर्जी दीदी नहीं बल्कि ईदी अमीन की तरह व्यवहार कर रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की सरकार ने बलात्कारियों को बचाया, सबूत नष्ट किए और सच्चाई की आवाज को दबाया, जिसके लिए सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने फटकार लगाई।

बसपा मायावती की लीडरशिप में ही लड़ेगी यूपी विधान सभा और उप चुनाव

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की कमान पूर्व की तरह सुश्री मायावती के हाथों में ही रहेगी। उनके एक बार फिर बीएसपी के अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन अटकलों पर भी विराम लग गया जो उनके राजनीति से सन्यास लेने की खबरों से जुड़े हुए थे। लखनऊ में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मायावती को एक बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया तो बीएसपी कार्यकताओं में जबर्दस्त उत्साह का माहौल दिखा। माया एक बार फिर सर्वसम्मति से पांच वर्ष के लिए बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र ने मायावती को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के

लिए प्रस्ताव रखा था, इससे यह भी साबित हो गया है कि बसपा में सतीश को साइड लाइन नहीं किया गया है।

मायावती अगले पांच वर्षो तक पार्टी अध्यक्ष रहेंगी, जिसका मतलब यह हुआ कि उनके सामने 2022 में विधान सभा और 2029 में लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। इस दौरान दस विधान सभा सीटों पर भी उप चुनाव भी होना है। बसपा सुप्रीमो लंबे समय से उपचुनाव से दूरी बनाए हुए थी लेकिन उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर वह एक्शन में नजर आ रही हैं। सभी 10 सीटों पर बसपा ने चुनाव लड़ने का एलान किया है। जिसमें मीरापुर से चंद्रशेखर आजाद के करीबी नेता प्रधान शाह को, मिल्कीपुर विधानसभा सीट से रामगोपाल कोरी को बसपा उम्मीदवार घोषित किया है। माया के सामने आजाद पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चन्द्रशेखर रावण एक अलग चुनौती होंगे, जो बसपा के दलित वोटरों पर अपनी नजर जमाये हुए हैं।

मायावती 18 सितंबर, 2003 से लगातार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी जा रही हैं। उन्होंने एक दिन पूर्व सोमवार को संन्यास लेने की खबरों का खंडन करते हुए स्पष्ट कर दिया था कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी रहेंगी। ऐसे में मंगलवार की कार्यकारिणी में एक बार फिर उनका अध्यक्ष चुना जाना तय था। लखनऊ में बसपा कार्यालय में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई। इसमें जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ-साथ प्रदेश की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को रणनीति पर भी मंथन किया गया।

हरियाणा चुनाव में एक साथ आए दुष्यंत चौटाला और चंद्रशेखर आजाद

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) और चंद्र शेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन बनाया। 90 सीटों में से जेजेपी 70 सीटों पर और आजाद समाज पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इससे पहले जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के संस्थापक दुष्यंत चौटाला ने कहा था कि आजाद समाज पार्टी के चंद्र शेखर आजाद, मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) से बेहतर सहयोगी होंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में चौटाला ने आजाद समाज पार्टी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद रावण की तारीफ की और उन्हें टीम मैन बताया। जेजेपी, जिसने 2019 के राज्य विधानसभा चुनावों में 10 सीटें हासिल कीं, लोकसभा चुनावों में एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी। इसने 2019 के राज्य चुनावों में किंगमेकर की भूमिका निभाई। जेजेपी ने इंडिया ब्लॉक में शामिल होने के लिए अपने विकल्प भी खुले रखे थे। चौटाला ने एएनआई से कहा था कि अगर उनके पास संख्या है और हमारी पार्टी को प्राथमिकता पर लिया जाता है, तो क्यों नहीं।

गुजरात में असाधारण रूप से भारी बारिश, 3 लोगों की मौत

करीब 20,000 लोगों को निकाला गया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, गुजरात और सौराष्ट्र क्षेत्र के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों के लिए असाधारण रूप से भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, क्योंकि सोमवार और मंगलवार की सुबह राज्य में मूसलाधार बारिश हुई, निचले इलाकों में पानी भर गया और बारिश से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अपडेट बुलेटिन के अनुसार, 29 अगस्त की सुबह तक राज्य के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान है। असाधारण रूप से भारी बारिश की चेतावनी एक दुर्लभ और तीव्र मौसम घटना को इंगित करती है जो गंभीर व्यवधान पैदा कर सकती है और जान-माल के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा कर सकती है।

मंगलवार से शुरू होने वाले अगले तीन दिनों के लिए गुजरात के 27 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिन जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है उनमें कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, जामनगर, राजकोट, द्वारका, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, पंचमहल, दाहोद, तापी, नवसारी, वलसाड, अहमदाबाद, बोटाद, अमरेली, आनंद, खेड़ा, महिसागर, पंचमहल, नर्मदा, वडोदरा, छोटा उदेपुर, सूरत और डांग शामिल हैं।

इस बीच, शेष छह जिलों: बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, गांधीनगर, साबरकांठा और अरावली के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी के अनुसार, 28 अगस्त तक गुजरात, राज्य के तट और उससे सटे उत्तर-पूर्वी अरब सागर में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से लेकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार तक तेज हवाएँ चलने की संभावना है।

रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर, ऑनलाइन टिकट बुकिंग में नहीं होगी देरी, रिफंड भी आएगा तुरंत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, रेल यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर आई है। आपको ट्रेन टिकट बुक करने के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा. भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने कहा कि वह जल्द ही टिकट क्षमता में वृद्धि करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टिकट बुक करने वाले रेल यात्रियों को प्रतीक्षा अवधि में परेशानी न हो। रिपोर्ट्स बताती हैं कि यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और मार्च 2025 तक खत्म हो जाएगी। इसके पूरा होने के बाद ट्रेन यात्रियों के टिकट ऑनलाइन बुक हो जाएंगे और होम पेज पर क्लिक करने के बाद उन्हें वेटिंग टाइम नहीं लगेगा।

टिकट बुकिंग की पूरी प्रक्रिया तुरंत शुरू हो जाएगी और यात्रियों को थोड़े ही अंतराल में टिकट मिल जाएगा।

इसके अलावा, आईआरसीटीसी यह सुनिश्चित करेगा कि यात्रियों को उनके पैसे काटे जाने और फिर टिकट जारी नहीं होने की समस्या का सामना न करना पड़े। इससे पहले आईआरसीटीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजय जैन ने टिकट बुक करते समय पैसे कटने, भुगतान विफल होने या कन्फर्म टिकटों के लिए प्रतीक्षा समय जैसी समस्याओं के लिए लंबे समय तक इंतजार करने के पीछे के कारण के बारे में कहा था।

सीएमडी ने यह भी कहा था कि क्षमता कम होने के कारण इन प्रक्रियाओं में काफी समय लगता है. इसका सीधा मतलब यह है कि जितने लोग ऑनलाइन टिकट बुकिंग की प्रक्रिया करते हैं, उसकी तुलना में बुकिंग क्षमता कम है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में हर दिन नौ लाख से अधिक टिकट ऑनलाइन बुक किए जा रहे हैं, जिसमें यात्रियों और एजेंट द्वारा की गई ऑनलाइन बुकिंग भी शामिल है। प्रतिदिन दो करोड़ से अधिक यात्री ट्रेन से यात्रा करते हैं। पिछले साल, भारतीय रेलवे ने टिकट बुकिंग की क्षमता को मौजूदा 25,000 से बढ़ाकर 2.25 लाख प्रति मिनट करने का फैसला किया था। ऐसा यात्री आरक्षण प्रणाली में सुधार के लिए किया गया था। इससे पहले, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि रेलवे रेल यात्रियों की सुविधा के लिए सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सहित टिकटिंग प्रणाली को अपग्रेड कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में रिकॉर्ड आवंटन की स्थिति में सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी देने के बाद भारतीय रेलवे ने सिस्टम को अपग्रेड किया है।

उधार दिया पैसा व घर के अंदर जबरन लगी लकड़ियां हटवाना पड़ा भारी

अमन लेखनी समाचार

नगराम। नगराम के मोहल्ला सैयद बाड़ा कस्बे में रहने वाले अकरम ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुए बताया ।मेरी बेटी अकीला बानो ने मेरी गैर मौजूदगी में अपने चचेरे भाई अफजाल से मेरे द्वारा दिया गया उधार पैसा 1,10,000 (एक लाख दस हजार रुपए) व मेरे घर के अंदर जबरन लगी लकड़ियां को हटाने को कहा तो ये बात अफजाल को गंवारा नहीं हुई और अफजाल आग बबूला हो गया । बेटी को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारने-पीटने लगा। बेटी ने शोर मचाया तो लोग बीच बचाव के लिए दौड़े तब जाकर जान बच सकी ।बेटी की नाक से खून निकलता देख जान से मारने की धमकी देते हुए मौका ए वारदात से फरार हो गया। थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने बताया पीड़ित की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

लापता युवक का रेलवे स्टेशन के पास पड़ा मिला शव

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। कनकहा गांव निवासी राकेश कुमार ने बताया उनका छोटा भाई मुकेश कुमार (40वर्ष) बीते रविवार की दोपहर को घर से निकला था लेकिन देर शाम तक वापस नही लौटा, काफी खोजबीन के बाद भी लापता भाई का कुछ भी पता नही चल सका था, सोमवार की सुबह कनकहा रेलवे स्टेशन से कुछ दूर पर रेलवे की बैरिकेटिंग के पास छोटे भाई का शव पड़ा देख उधर से गुजरे लोगो ने परिजनो व पुलिस को सूचना दी ।जिसके बाद मौके पर परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया ।मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेजा ।मृतक के परिवार में पत्नी सुनीता व दो बेटे अंकित व रौनक है, वो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था ।इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया प्रथम दृष्टया जांच में पता चला है मृतक अत्यधिक शराब पीने का आदी था जिसके चलते उसकी तबीयत बहुत खराब हो गयी थी ओर डाक्टर ने उसे शराब पीने से मना किया था लेकिन उसने शराब पीना छोड़ा नही था, अत्यधिक शराब पीने से मौत होने की आंशका हैं ।पीएम रिपोट में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा कार्यशाला का आयोजन: लिया गया भाजपा को विश्व का सबसे मजबूत संगठन बनाने का संकल्प

जितना मजबूत होगा भाजपा संगठन, उतना ही मजबूत होगा देश - डॉ. राजेश्वर सिंह

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित सदस्यता अभियान - 2024 के अंतर्गत मंगलवार को सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के सरोजनीनगर दक्षिण प्रथम की मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन क्वीन पैलेस हिंद नगर में किया गया। विधायक राजेश्वर सिंह ने सदस्यता अभियान कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा सदस्यों के आधार पर भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है, जितना भाजपा संगठन मजबूत होगा उतना ही देश भी मजबूत होगा, इसलिए सदस्यता अभियान को सफल बनाना भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य और देश के प्रति सभी कार्यकताओं की अहम जिम्मेदारी है। विधायक ने कार्यकाताओं में जोश का संचार करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की कविता पढ़ी, जहाँ कण कण में शंकर और बिंदु बिंदु में गंगाजल है, हम जियेंगे तो इसी के लिए मरेंगे तो इसी के लिए। विधायक ने आगे जोड़ा लखनऊ अटल बिहारी की कर्मभूमि है, इसलिए यहां के कार्यकताओं का दायित्व है उनके बताये मार्ग पर चलते हुए लखनऊ में सदस्यता अभियान को देश भर में ऐतिहासिक बनाया जाए, विधायक ने अपनी विधानसभा का उल्लेख करते हुए आगे जोड़ा सरोजनीनगर सभी अभियानों में कीर्तिमान स्थापित करता है, सदस्यता अभियान में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कार्यकताओं को उत्साहित करते हुए आगे जोड़ा कि भाजपा की विचारधारा राष्ट्रप्रथम की है, भाजपा कार्यकताओं की सोच राष्ट्र के लिए सबकुछ समर्पित करने की है, इसलिए हर व्यक्ति भाजपा से जुड़ना चाहता है, उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक भाजपा से जोड़ना है। विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पडोसी देशों में जो कुछ हो रहा है वो चिंताजनक है। विरोधी दलों पर हमला करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि कांग्रेस धारा 370 बहाल करने की बात करने वाली पार्टियों के साथ है, सपा अयोध्या के चर्चित और दुखद बलात्कार घटना के आरोपियों के समर्थन में खड़ी है, किसी भी दल ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हुई हिंसा पर एक शब्द भी नहीं बोला।

इस दौरान मूसलाधार बारिश के बीच कार्यशाला में आये कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा भाजपा कार्यकताओं में पार्टी को मजबूत करने की सबसे ज्यादा इच्छाशक्ति है, सब पार्टी को मजबूत करना चाह रहे हैं। कार्यशाला में पूर्व सांसद मोहनलालगंज व पूर्व केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर, लखनऊ महानगर महामंत्री पुष्कर शुक्ला, मंडल अध्यक्ष के के श्रीवास्तव, महामंत्री रजनीश श्रीवास्तव एवं नीरज श्रीवास्तव, पूर्व मंडल अध्यक्ष आरपी भारद्वाज, राजेश गुप्ता, अनूप मिश्रा, पार्षद सौरभ सिंह मोनू, राम नरेश रावत, पूर्व पार्षद सर्वजीत सिंह एवं अन्य मंडल पदाधिकारी, मंडल मोर्चा अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक एवं प्रभारी, वार्ड अध्यक्ष और बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों मे गौ आश्रय केन्द्र पर गौ माताओं का हुआ पूजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ग्राम्य विकास विभाग के द्वारा जारी आदेश के क्रम में जन्माष्टमी के पावन पर्व के शुभ अवसर पर लखनऊ के चिनहट ब्लाक की ग्राम पंचायतों मे गौ आश्रय केन्द्र पर गौ माता का पूजन किया गया। जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर सहायक विकास अधिकारी कृषि विजय शंकर मिश्रा एवं मनरेगा में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अमित कुमार द्विवेदी के द्वारा विकासखण्ड चिनहट की देवरिया, कोडरी भौली , फरूर्खाबाद , रैथा, पश्चिम गांव , पपना मऊ ग्राम पंचायत स्थित गौ आश्रय केन्द्र पहुंच कर गौ माता की पूजा कर पुष्प माल्यार्पण किया गया एवं गुड एवं चने का प्रसाद खिलाया गया । इस दौरान गौ आश्रय केन्द्र पर गौ सेवक सहित ग्रामीणों की मौजूदगी रही ।

मोबाइल छीनकर भाग रहे लुटेरों को पकड़ा, पुलिस ने भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अर्न्तगत थाना शिवगढ़ रायबरेली निवासी रमन पुत्र अशोक कुमार नई बाजार सीपेट चौराहा थाना कृष्णानगर द्वारा दी गयी तहरीर के अनुसार विगत सोमवार को दोपहर करीब 12.00 बजे नादरगँज इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित प्लाई बोर्ड फैक्ट्री से सीपेट चौराहे की ओर जा रहा था। रमन के अनुसार पीछे से दो लड़के कईबार मोटर साईकिल आगे पीछे लगाकर चला रहे थे। तभी अचानक रमन का मोबाईल छीन कर भागने की कोशिश की तभी पीछे बैठे हुए, एक लुटेरे की टी शर्ट पकड़कर जैसे ही खींचा तो दोनों हड़बड़ाहट में अपनी मोटर साईकिल का बैलेन्स सम्हाल न पाये और आगे जाकर लड़खड़ाकर गिर गये। लुटेरों के गिरने का फायदा उठाकर राहगीरों की मदद से मोबाईल लुटेरों को धर दबोचा। इसके बाद पीड़ित के जीजा के साथ मिलकर उक्त लुटेरों कै तत्काल पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरों को जेल भेज दिया है।

बाइक सवार ने मारी पीछे से जोरदार टक्कर, आई गम्भीर चोटें

अमन लेखनी समाचार

नगराम। थाना क्षेत्र के कमालपुर बिजिलका निवासी सुनील कुमार ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया। पिता छोटेलाल बाजार से सब्जी लेकर घर वापस आ रहे थे। तभी अचानक से बाइक सवार विपिन ने पिता छोटेलाल को पीछे से जोर दार टक्कर मार दी जिससे कमर व पैर में गम्भीर चोटे आई ।जिनका इलाज ट्रामा सेंटर पी जी आई में चल रहा है। थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने बताया पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

भाजपा का कार्यकर्ता स्वयं से पहले राष्ट्रहित की भावना रखता है: धर्मपाल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मंगलवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर सदस्यता अभियान को लेकर प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा व प्रभारी महिला मोर्चा विजय बहादुर पाठक की अध्यक्षता में महिला मोर्चा कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने कहा की संगठन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कोई संगठन कितना प्रभावी है यह संगठन के सदस्यों की संख्या व कार्यशैली पर निर्भर करता है महिलाओं की भागीदारी देश के विकास में बृहद स्तर पर बड़ी है इसके लिए भाजपा पुनः सदस्यता अभियान चलाकर संगठन परिवार का विस्तार कर रही है महिला मोर्चा को सुनिश्चित करना है कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही समस्त योजनाएं जनता तक पहुंचे इसके लिए संगठन के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व सुनिश्चित हो जितना बड़ा परिवार होगा उतना अच्छा कार्य विभाजन होगा भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता में स्वयं से पहले राष्ट्र सेवा की भावना होती है कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि है बैठक की मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य वार्ड सदस्यता प्रमुख महिला मोर्चा गीतांजलि ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा संगठन शक्ति व समन्वय से 2030 तक हम विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं कार्यकर्ता को जोड़ना मात्र हमारा लक्ष्य नहीं है बल्कि पार्टी की विचारधारा से जोड़कर राष्ट्र विकास में संपूर्ण योगदान देना हमारा कर्तव्य होना चाहिए। उत्तर प्रदेश से इस बार दो करोड़ की सदस्यता का लक्ष्य रखा गया है जिसमे महिला मोर्चा द्वारा सभी 1918 मडलोंस्त्र पर प्रत्येक मंडल से 10 हजार महिलाओं की सदस्यता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है पार्टी कार्यकताओं से ऐसी अपेक्षा है कि हम इस लक्ष्य तक अवश्य पहुंचेंगे। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा रश्मि रावल ने मंच संचालन किया प्रदेश पदाधिकारी प्रदेश कार्य समिति सदस्य, क्षेत्रीय अध्यक्ष व जिले की अध्यक्ष सहित संयोजक बहने इस कार्यक्रम में मौजूद रही।

मोहनलालगंज व निगोहां थानो में श्री कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गयी

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली में सोमवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी बड़ी धूमधाम से मनाई गयी ।कोतवाली परिसर में बने राधा कृष्ण मंदिर को फूलो व लाइटो की झालर से सजाया गया था ।वही सांस्कृतिक कार्यक्रम में म्यूजिकल ग्रुप द्वारा भगवान कृष्ण के विभिन्न रूपो की सुंदर -सुंदर झांकियो व गायको के भजनो ने लोगो का मन मोह लिया ।रात बारह बजे भगवान कृष्ण का जन्म होते ही प्रभारी निरीक्षक आलोक राव ने पुलिसकर्मियों संग हवन- पूजन व आरती की ।जिसके बाद भगवान को भोग लगाकर सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर आयोजित भंडारे में एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा व तहसीलदार शंशाक नाथ उपाध्याय, बार एसोसिएशन अध्यक्ष कौशलेन्द्र शुक्ला, महामंत्री राम लखन समेत, समाजसेवी सुरेन्द्र दीक्षित, प्रधान ललित शुक्ला, व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय पांडे, पूर्व अध्यक्ष श्रवण यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष चक्रवीर सिंह बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगो पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया ।निगोहां थाने में भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी बहुत धूमधाम से मनायी गयी। राधा-कृष्ण मंदिर सहित पूरे थाना परिसर को बिजली के बल्लो की झालरो व फूलों से सजाया गया था ।सास्कृतिक कार्यक्रम में भगवान राधा-कृष्ण की सुंदर सुंदर झांकियों ने अतिथियों का मन मोह लिया ।रात बारह बजे भगवान कृष्ण के जन्म के बाद थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने परिवार व पुलिसकर्मियों संग पूजन व आरती कर प्रसाद वितरित किया ।इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी जय कांत तिवारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र दीक्षित, भाजपा नेता नागेश्वर द्विवेदी, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशुतोष शुक्ला, प्रधान अभय दीक्षित, प्रधान प्रभाकर त्रिवेदी, भाजपा नेता नवीन मिश्रा, निश्चल शुक्ला, अभय सिंह, रिषभ त्रिवेदी समेत काफी संख्या में क्षेत्रीय लोगो ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन में नये सत्र का अगाज

(मुख्य अतिथि प्रो. एन.एम.पी. वर्मा, कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय)

(विशिष्ट अतिथि प्रो. मनुका खन्ना, प्रो-वाइस चांसलर, लखनऊ विश्वविद्यालय शामिल हुए)

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मंगलवार को श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन में आज नये प्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य नव प्रवेशित छात्रों का स्वागत करना और उन्हें कैंपस की गतिविधियों से अवगत कराना था, ताकि वे अपनी शैक्षणिक यात्रा की शुरूआत में आवश्यक जानकारी, संसाधन और समर्थन प्राप्त कर सकें। ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्घाटन समारोह दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती माता को माला अर्पण के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. एन.एम.पी. वर्मा, कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रो. मनुका खन्ना, प्रो-वाइस चांसलर, लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो. डी.के. अवस्थी, डॉ. ज्योति सिंह, निदेशक, श्री शारदा समूह संस्थान और प्रो. विवेक मिश्रा, संस्थापक डीन, श्री शारदा समूह संस्थान ने सरस्वती पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रो. एन.एम.पी. वर्मा, कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय ने छात्रों को सही रास्ता चुनने के बारे में आत्मविश्वास दिया और कई उद्धरणों के माध्यम से छात्रों को प्रेरित किया। वहीं, प्रो. मनुका खन्ना ने विश्वविद्यालय के दिशानिदेशों की महत्वपूर्ण जानकारी दी और बताया कि छात्र अपने जीवन के लक्ष्यों को कैसे प्राप्त कर सकते हैं।

प्रो. डी.के. अवस्थी ने कैरियर के दृष्टिकोण और छात्र जीवन में अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों के महत्व पर चर्चा की।

डॉ. ज्योति सिंह, निदेशक, एस.एस.जी.आई. ने बताया कि कैसे छात्रों को शिक्षा जगत को नयी नीतियों पर काम करना चाहिए और जीवन की सही राह चुनने के लिए प्रेरित किया।

वही प्रो. विवेक मिश्रा, डीन, एस.एस.जी.आई ने कहा, ओरिएंटेशन प्रोग्राम छात्रों को कॉलेज जीवन में स्थानांतरित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपने छात्रों का शैक्षणिक और व्यक्तिगत रूप से समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि वे इस नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों ने विभिन्न इंटरैक्टिव सत्रों में भाग लिया, जिनमें शैक्षणिक अपेक्षाओं, समय प्रबंधन, और कैंपस जीवन पर कार्यशालाएँ शामिल थीं। संकाय सदस्यों ने छात्रों को पाठ्यक्रम, ग्रेडिंग नीतियों, और उनकी शैक्षणिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध सहायता सेवाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम में व्यक्तिगत विकास, करियर योजना और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों पर भी सत्र आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास करना था। छात्रों ने ओरिएंटेशन के दौरान मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और मूल्यवान जानकारी के लिए आभार व्यक्त किया। कई छात्रों ने श्री शारदा समूह संस्थान के अनुकूल माहौल और समुदाय की भावना को सराहा। जैसे-जैसे नया शैक्षणिक वर्ष शुरू हो रहा है, संस्थान इन नए छात्रों को उनकी पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करने और जीवंत कैंपस समुदाय में योगदान देने के लिए तत्पर है।

तेज रफ्तार कैरी वैन की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत, चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। थाना क्षेत्र के करनपुर गांव निवासी रिटायर्ड रेलकर्मी गिरजाबक्श सिंह ने बताया उनकी पत्नी आरती सिंह (60 वर्ष) सोमवार की शाम छः बजे के करीब अपने खेतो से अपने घर वापस जा रही थी तभी तेज रफ्तार मारुति कैरी वैन ने पत्नी आरती को जोरदार टक्कर मार दी जिसके बाद कैरी वैन के अगले हिस्से में फंसकर पत्नी काफी दूर तक घसीटते हुये चली गयी, इस दौरान अनियंत्रित कैरी वैन एक पेड़ से जा टकराया ।दुर्घटना में पत्नी आरती व वैन चालक सुनील कुमार गम्भीर रूप से घायल हो गया ।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस महिला व चालक को इलाज के लिये मोहनलालगंज सीएचसी लेकर गयी ।जहां डाक्टर ने बुजुर्ग महिला आरती की मौत हो गयी ? ।वही दुर्घटना में घायल चालक को परिजन इलाज के लिये निजी अस्पताल लेकर गये ।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा ।थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया दुर्घटना करने वाली कैरी वैन को कब्जे में ले लिया गया है ।मृतका के परिजनो के तहरीर देने पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

यूपी में 24 घंटे मिलेगी बिजली, ऊर्जा निगम ने प्रस्ताव का किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ऊर्जा निगम ने विद्युत नियामक आयोग में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के प्रस्ताव को लेकर अपना जवाब दाखिल कर दिया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की तरफ से ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोस्टर व्यवस्था समाप्त कर 24 घंटे बिजली की आपूर्ति करने की मांग का प्रस्ताव आयोग को दिया गया था। ऊर्जा निगम ने इसके जवाब में परिषद के प्रस्ताव को स्वागत योग्य बताया है और कहा है कि इस पर तकनीकी व वाणिज्यिक पहलुओं का विश्लेषण किया जा रहा है। इस बारे में परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि कुछ महीनों तक ऊर्जा निगम की तरफ से शहरी क्षेत्रों की तरह ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की गई थी। पहली जुलाई से रोस्टर व्यवस्था लागू कर दी गई थी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं हो रही है।

पुलिस पर लगाया लाखों रुपए गायब करने का झूठा आरोप, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र के ट्रान्सपोर्ट नगर मैट्रो स्टेशन के पास अमित सिंह नामक सब इंस्पेक्टर व दो सिपाहियों द्वारा 20 अगस्त, 24 को साँय 09.45 बजे चेकिंग के दौरान वैगनार कार सँ०- यू०पी० 90 डब्लू 3330 को रोककर डिग्गी में रखे, पाँच लाख पचास हजार रुपये, तलाशी के दौरान गायब करने का पुलिस पर आरोप अरविन्द सिहं गौतम, आवास विकास कालोनी, सिविल लाईन जिला बाँदा ने गम्भीर आरोप लगाया। उसके अनुसार वह पीजीआई अस्पताल जा रहा था ।अरविन्द सिहं गौतम से दरोगा ने कहा यहीं शहीद पथ पर सिपाहियों की देखरेख में रुको, थाने में रुपया जमा करके हम वापस आ रहे हैं । कुछ समय बाद दोनों सिपाहियों ने गौतीम को कृष्णानगर थाने के पास छोड़कर फरार हो गये। अरविन्द गौतम की शिकायत पर प्रभारी निरीक्षक, सरोजनीनगर ने विभागीय निष्पक्ष गहनता से जाँच करते हुए पीड़ित /शिकायतकर्ता को घटना स्थल पर साथ ले जाकर, स्थानीय लोगों से पूछताछ व बारीकी से प्रत्येक आरोपों की सघन जाँचकर, जब शहीदपथ तिराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गये तो घटना स्थल पर उक्त समय की लोकेशन पर गाड़ी नहीं दिखी। घटना के समय का लोकेशन स्थानीय जनपद बाँदा होना पाया गया। आखिरकार आवेदक के धैर्य का बाँध टूट गया और सच्चाई उगलते हुए बताया कि वह एक प्रकार के जुएं कि भाँति एविएटर गेम के चंगुल में फँसकर, विगत तीन महीनों में 17-18 लाख रुपये हार चुका है ।रिश्तेदारों से लिया उधार व रिश्ते की बहन गुड़िया का भी तीन लाख रुपये गेम में हार गया । इन सबके तकादे और इनसे बचने के लिए मनगढन्त उपाय ढूंढकर फर्जी आरोप लगाकर, पुलिस द्वारा रुपये छीनने की झूठी कहानी बताकर कि रुपये वापस न करने, राहत पाने के लालच में छलकपट व कपटपूर्ण धोखाधड़ी करके मिथ्या तथ्यों को दर्शाकर आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उददेश्य से पुलिस पर झूठा आरोप लगाने का दोषी पाये जाने पर एवँ पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने के प्रयास में अरविन्द सिहं गौतम पर जाँचकर्ता द्वारा मुकदमा पंजीकृत कराया गया ।

लखनऊ में स्वच्छता की अलख जगाने में जुटी पीएसआई-इंडिया सम्मानित

संस्था के ईडी मुकेश शर्मा ने ग्रहण किया सीएसआर टाइम्स अवार्ड-2024

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्वच्छता की अलख जगाने में जुटी पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई-इंडिया) संस्था को 11वें राष्ट्रीय सीएसआर (कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) शिखर सम्मेलन में ख्यातिप्राप्त सीएसआर टाइम्स अवार्ड-2024 से सम्मानित किया गया। गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, राज्यसभा सदस्य सदानंद तनावडे व अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में राजभवन गोवा में आयोजित समारोह में संस्था की तरफ से एक्जेक्युटिव डायरेक्टर मुकेश कुमार शर्मा ने इस गौरवपूर्ण सम्मान को ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि लोगों को स्वस्थ बनाना है तो पहले वहां स्वच्छता की मुहिम चलानी जरूरी है। इसी के तहत स्वच्छ बनेगा तभी तो स्वस्थ बनेगा लखनऊ सोच के साथ यह स्वच्छ उदय अभियान चलाया जा रहा है। एचसीएल फाउन्डेशन की मदद से लखनऊ के 16 वार्डों में चलायी जा रही इस अनूठी परियोजना स्वच्छ उदय को नगर निगम लखनऊ का पूरा सहयोग प्राप्त है। पीएसआई-इंडिया के पर्यावरण प्रबन्धन, वन, नदी व जल संरक्षण, जलवायु कार्रवाई और स्वस्थ भारत-विकसित भारत की दिशा में किये जा रहे सराहनीय प्रयासों के तहत संस्था को इस सम्मान से नवाजा गया है।

ज्ञात हो कि पीएसआई इंडिया लखनऊ नगर निगम के सहयोग से मोहल्ला स्वच्छता समितियों का गठन कर मोहल्लों में साफ-सफाई, पानी के रखरखाव, स्वच्छ पेयजल, सबमर्सिबल वाटर स्टैंड पोस्ट की सुरक्षा, कूड़े का व्यवस्थित तरीके से निवारण और डोर टू डोर आने वाली कूड़ा गाड़ी की सेवाओं के उपयोग, सेप्टिक टैंकर सेवाओं के उपयोग के प्रति जागरूकता में जुटी है। इसके अलावा बच्चों को हाथों की स्वच्छता के लिए हैण्डवाश के सही तरीके सिखाये जा रहे हैं ताकि उनमें शुरूआत से ही इसके प्रति व्यवहार परिवर्तन आ सके। दूषित हाथों से खाना खाने, आँख-नाक छूने से कई संक्रामक बीमारियाँ बच्चों को घेर लेती हैं और कुपोषित बनाती हैं। इसी उद्देश्य से बच्चों को शौच के बाद और खाना खाने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धुलने के तरीके सिखाये जा रहे हैं ताकि वह स्वस्थ बन सकें और उनकी शिक्षा प्रभावित न हो सके। महिला आरोग्य समितियों को भी सक्रिय कर इस मुहिम में मदद ली जा रही है। वार्ड के पार्षद भी इस मुहिम को सराह रहे हैं और अपने वार्ड को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने में पूरी ताकत के साथ जुटे हैं।

संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव खुड़ी में 17 वर्षीय किशोरी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। इस घटना के बाद परिवार में भारी मातम छा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।बीती सोमवार रात को खूड़ी गांव निवासी स्व. रामू नाई की 17 वर्षीय बेटी प्रिया, जो बीए कक्षा की छात्रा थी उसने घर के आंगन में पड़े जाल से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि जब वे घर के बाहर बैठे थे। वापस आए तो उन्हें आंगन में प्रिया का शव फांसी पर लटकता हुआ मिला। परिवार ने तत्काल पुरवा पुलिस को सूचित किया।पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर विधिक कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कोतवाल कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।प्रिया की बहन पूनम ने बताया कि प्रिया पढ़ने में बहुत अच्छी थी और आगे के कोर्स के लिए तैयारी कर रही थी। परिवार को प्रिया के आत्महत्या के कदम के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मृतक के पिता की एक साल पहले मौत हो चुकी थी और इस घटना के बाद से परिवार का बुरा हाल है। मां गुड़िया, बहन पूनम, पूजा और भाई मोहित का रो-रोकर बुरा हाल है।

पानी भरे तालाब में गिरने से अधेड़ युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गाव में सड़क किनारे तालाब में युवक का शव देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने गाव वालो की मदद से शव को तालाब से बाहर निकाला तो उसकी पहचान दो किलोमीटर दूर मखदूमनगर गांव निवासी के रूप में हुई । पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया ।कोतवाली क्षेत्र के गाव मखदूम नगर निवासी रामप्रसाद ऊर्फ कल्लू 50वर्ष पुत्र मतई मंगलवार सुबह घर से पुत्री लक्ष्मी का आधार कार्ड ठीक कराने पैदल अलाउद्दीनखेड़ा गया था जहा से वापस आते समय पुत्री पहले घर चली गई युवक पैदल वापस घर जा रहा था तभी कोतवाली क्षेत्र के गाव जमालुद्दीनपुर के पास सड़क किनारे मढ़ी तालाब वो गिर गया जिससे उसकी पानी में डूबने से मौत हो गई शव देख शव देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी मृतक की पत्नी शांती ने बताया कि आखों से दिखाई नही देता था मौत से परिजनो का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है प्रभारी निरीक्षक श्यामनारायण सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है पी एम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

चोरी की फिराक में घूम रहे गिरोह को पुलिस ने कार ,नकदी व अवैध असलहा समेत धर दबोचा

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी,उन्नाव। मुखबिर की सूचना पर बकरी चोरी की घटना को अंजाम देने के फिराक में घूम रहे गिरोह को थाना पुलिस ने कार नकदी एवं अवैध असलहा के सहित गिरफ्तार किया है।बीते दो माह पूर्व उक्त गिरोह ने बकरी चोरी की घटना को अंजाम देने के दौरान बकरी पालक को कार से कुचल कर मौत के घाट उतार दिया था। गिरोह के सदस्यों ने गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों के नाम उजागर करने के साथ जनपद के कई थानों में कई वारदातों को कबूल किया है।थाना पुलिस ने वांछित धाराओं में अभियुक्तों को जेल भेजा है।

फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के तकिया चौराहे के आस पास रविवार की रात थाना प्रभारी ज्ञानेन्द्र कुमार के साथ उपनिरीक्षक रविशंकर मिश्र उपनिरीक्षक रामप्रताप सिंह कांस्टेबल अविनाश ओझा संदीप कुमार विकाश गंगवार एवं विष्णु दयाल आदि संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनो की चेकिंग कर रहे थे तभी पुलिस दल को मुखबिर से सूचना मिली कि क्षेत्र में बकरी चोरी की घटना को अंजाम देने वाला गिरोह औरा कार से नहर पटरी के रास्ते गौरिया कला की ओर से थाना क्षेत्र की तरफ आ रहा है।सूचना पर सक्रिय हुई थाना पुलिस ने घेरा बंदी कर सरदार ढाबा के पास रात लगभग साढ़े दस बजे औरा कार में सवार गिरोह के सदस्य जनपद प्रतापगढ़ के सकरदहा थाना क्षेत्र के गांव धनु का पूर्व निवासी प्रियम पुत्र धर्मेन्द्र मौर्य गंगाघाट थाना क्षेत्र के ग्राम सरैया नेतुआ निवासी विजय पुत्र राजू रावत शुक्लागंज के मोहल्ला आजाद नगर निवासी अंकित उर्फ मतंगी पुत्र लालाराम एवं गंगाघाट थाना क्षेत्र बनी कंजौरा निवासी रामाश्रय पुत्र छोट्टन को चौसठ सौ नकदी एक तीन सौ पंद्रह बोर के एक तमंचा के साथ हिरासत में ले लिया।थाना पुलिस द्वारा गहनता से पूंछतांछ में अभियुक्त प्रियम मेरी ने थाना पुलिस को बताया कि उसने गिरोह के साथ बीते जून माह की पांच तारीख की रात में थाना क्षेत्र के ग्राम कोरट खेड़ा गांव में बकरी चोरी की घटना को अंजाम दिया था।प्रियम ने थाना पुलिस को बताया कि जून माह की पांच तारीख की देर रात लगभग डेढ़ बजे उन लोगो ने पकड़ी गई औरा कार में ही कोरटखेड़ा में तीन बकरियां चुराई थी इसी दौरान बकरी पालक बाबूलाल पुत्र हीरा जाग गया तथा कार के सामने खड़े होकर गिरोह का विरोध करने लगा।उसने बताया बचकर भागने में वह लोगो बकरी पालक को कुचलकर भाग गए।बताते चले गत जून माह में बकरी चोरों का विरोध करने के दौरान घायल हुए चालीस वर्षीय बाबूलाल पुत्र हीरा की उपचार के दौरान मौत हो गई थी।पकड़े गए गिरोह के सदस्यों ने गिरोह में शामिल अन्य आधा दर्जन से अधिक साथियों के नाम उजागर करने के साथ थाना अचलगंज थाना बीघापुर थाना आसीवन आदि में बकरी चोरी की घटना को अंजाम देने की बात कबूली है।थाना पुलिस ने सभी अभियुक्तों को वांछित धाराओं में जेल भेजा है।

अवैध निर्माण को जिला प्रशासन ने जे सी बी से कराया ध्वस्त

अमन लेखनी समाचार

शुक्लागंज, उन्नाव। मंगलवार दोपहर को एसडीएम हिमांशु गुप्ता, एआरओ प्रशांत नायक, तहसीलदार अविनाश कुमार, कानूनगो विनोद कुमार, पुलिस फोर्स के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे। जहां एसडीएम के साथ राजस्व कर्मियों और पुलिस की एक टीम भी मौजूद थी। कार्रवाई के दौरान सरकारी भूमि पर बने अवैध निर्माण को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। समिति के अध्यक्ष उमेश तिवारी ने आरोप लगाया कि कुछ लोग षड़यंत्र के तहत सरकारी भूमि पर कब्जा करना चाहते हैं और गलत नंबर से भूमि का भूमिधरी का दावा कर रहे हैं। भूमि संख्या 365 और 364 के विवाद का समाधान नहीं होने के कारण, पहले ही जिला प्रशासन ने भूमि संख्या 365 पर रामलीला के आयोजन की अनुमति दी थी। पोनी रोड लीला समिति के सदस्य ने चेतावनी दी थी कि यदि जिला प्रशासन ने शीघ्र भूमि उपलब्ध नहीं कराई, तो समिति मुख्यमंत्री के पास जाकर इस मुद्दे को उठाएंगे। इस पर जिला प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की और एसडीएम ने पूरी भूमि का नापजोख कर अवैध अतिक्रमण को हटवाया। एसडीएम ने कहा कि पूरी भूमि का चिन्हांकन कर लिया गया है और इसे दो चरणों में खाली कराया जाएगा। वर्तमान में, सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया है और प्रशासन ने इस मामले की गंभीरता से निगरानी जारी रखने की बात कही है। कुछ लोगों ने विरोध किया लेकिन अधिकारियों ने उनकी एक नहीं सुनी। एसडीएम बोले जिसे ऐतराज है वह कोर्ट में कंटेम्प्ट करे। उसका जबाव दिया जायेगा।

पुलिस का सारहनीय कार्य नहर में गिरे युवक को सकुशल निकाला बाहर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र में रविवार रात को एक उल्लेखनीय घटना घटी, जब मित्र पुलिस के एक आरक्षी ने अपनी जान की परवाह किए बिना एक युवक की जान बचाई। घटना की सराहना करते हुए स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की तारीफ की है। रविवार रात लगभग पौने नौ बजे, अजगैन क्षेत्र के चौकी इंचार्ज अरविंद पाण्डेय और उनकी टीम संदिग्ध वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान, चौकी इंचार्ज के साथ आरक्षी शिवम यादव, रोहित, संतोष कुमार और चालक सूरजपाल ने बाबा ढाबा नवाबगंज से कोकाकोला फैक्ट्री रोड के हिम सिटी के सामने नहर की पुलिया पर एक अज्ञात व्यक्ति को देखा, जो नहर में गिर गया था। पुलिस वाहन की सर्च लाइट जल रही थी। जिससे कांस्टेबल चालक सूरजपाल की नजर उक्त व्यक्ति पर पड़ी। तत्काल पुलिस ने वाहन रोककर टीम मौके पर पहुंची। आरक्षी संतोष कुमार ने बिना समय गंवाए पुलिया से नहर में छलांग लगाई। बेहोशी की हालत में डूबते युवक को बाहर निकाला। उन्होंने प्राथमिक इलाज प्रदान किया। युवक का पानी बाहर निकाला। युवक की पहचान राहुल (25) पुत्र स्व. बैजनाथ यादव निवासी ग्राम दुगार्गंज बायपास नवाबगंज के रूप में हुई। पुलिस ने राहुल को सुरक्षित स्थिति में उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस त्वरित और साहसिक कार्रवाई से युवक की जान बचाई जा सकी। जिसके चलते पूरे क्षेत्र में पुलिस की सराहना हो रही है।

क्षेत्राधिकारी द्वारा मुरलिया वाले रे , सांवरिया प्यारे रे गाते ही पुलिस और श्रोता झूम उठे

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव । स्थानीय कोतवाली परिसर स्थित शिव मंदिर पर बीते सोमवार की रात भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कीर्तन मंडली के गायक कलाकारों द्वारा रातभर भजनों से श्रोताओं को भक्ति रस से सराबोर रखा। इसी बीच पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार मंच पर जा पहुंचे और उनके द्वारा हारमोनियम की सुरीली धुन और ढोलक की थाप पर सुर-ताल के साथ मुरलिया वाले रे, सांवरिया प्यारे रे प्रस्तुत करते ही सभी पुलिस जन और अन्य श्रोता झूम उठे। बाद में क्षेत्राधिकारी ने भगवान कृष्ण की शान में अपनी खनकती आवाज में कई मोहक गीत प्रस्तुत कर महफि ल में समा बांध दिया। उत्सव के मध्यांतर में भगवान बालकृष्ण को भोग लगाने के बाद कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजकुमार ने पुलिस जनों के सहयोग से सभी श्रोता भक्तों को स्वादिष्ट पूड़ी-सब्जी व खीर का प्रसाद वितरित किया गया। जन्मोत्सव में विधायक श्रीकांत कटियार, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अर्जुन लाल दिवाकर, रावेंद्र सिंह, डॉ महेंद्र, धर्मेंद्र राजपूत, मुन्नू सिंह भंडारी, अनमोल श्रीवास्तव, मनोज तिवारी, पूर्व चेयरमैन गंजमुरादाबाद राम नरेश कुशवाहा व प्रदीप सोनी तथा विमल चन्द्र शुक्ल आदि सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।इसके अलावा संडीला मार्ग स्थित राधा-कृष्ण मंदिर, मोहल्ला पंजाबी टोला स्थित राधा-कृष्ण मंदिर व बेहटा मुजावर थाना सहित नगर के सैकड़ों घरों में भी भगवान श्रीकृष्ण का भव्य श्रृंगार कर जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया।

धर्म की रक्षा के लिए यदि मर्यादा तोड़नी पड़े तो मनुष्य को दोष नहीं लगता

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। प्रत्येक मनुष्य को भगवान राम के चरित्र को अपनाना चाहिए। भगवान राम ने मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में जन्म लिया था। वही मनुष्य को अपने जीवन में भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों को अपनाना चाहिए। भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि धर्म की रक्षा के लिए यदि मयार्दा तोड़नी पड़े तो मानव जीवन को दोष नहीं लगता है। उक्त प्रवचन कस्बा फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला गांधीनगर में चल रही श्री मद्भागवत कथा के चौथे दिवस कथा व्यास मांता भुवनेश्वरी देवी शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर नीरज स्वरूप ब्रह्मचारी ने रामजन्म एवं श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनाते हुए कहे।उन्होंने कहा कि राम जी ने अपने जीवन में जो भी किया उनके जीवन चरित्र को प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में उतरना चाहिए। क्योंकि भगवान राम ने मृत्यु लोक में मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में अवतार लिया था। राम का चरित्र मानव को मयार्दा सिखाता है कि हमें कैसे रहना चाहिए।वही भगवान श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनाते हुए महराज जी ने कहा कि मानव को श्री कृष्ण के उपदेशों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। भगवान श्री कृष्ण के चरित्र से हमें यह शिक्षा मिलती है कि धर्म पर संकट आने पर यदि मनुष्य को मयार्दा तोड़नी भी पड़े तो उसे किसी भी प्रकार का दोष नहीं लगता है।भागवत कथा में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया इस दौरान महराज जी के बधाई भजन ने पूरे पांडाल के श्रोताओं को थिरकने पर मजबूर किया। भागवत कथा के चौथे दिवस भी आचार्य अरविंद द्विवेदी एवं नैमिश निवासी आचार्य स्वतन्त्र मिश्र ने वैदिक मंत्रोचार से दैनिक पूजन कार्य संपन्न कराया। इस दौरान परीक्षित संतकुमार त्रिवेदी पण्डित चंद्रप्रकाशमुन्ना त्रिवेदी, बबलू त्रिवेदी, रजनीश त्रिवेदी आलोक पवन पांडे संतोष लकी रजनीश सचिन अवनीश कुमार मधुर त्रिवेदी अंकित सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के परियर सफीपुर मार्ग पर सोमवार की देर रात बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव के रहने वाला युवक अपनी ससुराल बाइक से जा रहा था। इसी दौरान जमाल नगर के पास उसे एक अज्ञात वाहन में टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। घटना सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया

कोतवाली बांगरमऊ क्षेत्र के जामड गांव निवासी अनमोल का 28 वर्षीय बेटा अजय पाल बाइक से सोमवार की देर रात शिवदीन पुरवा स्थिति ससुराल जा रहा था। सफीपुर परियर मार्ग के जमाल नगर के पास उसे टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। एक्सीडेंट की सूचना राहगीरों ने एंबुलेंस 108 को दी।मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई। वार्ड बॉय स्माइल ने घटना की जानकारी सफीपुर कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पहुंचे कोतवाली पुलिस ने शिनाख्त के आधार पर घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पारिवारिकजन अस्पताल पहुंचे।अजय का शव देखकर रो रो कर बेहाल होने लगे। परिजनों की सहमति के बाद पुलिस में मृतक के शव का पंचायतनामा भरते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी उन्नाव भेजा है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। इंस्पेक्टर सफीपुर श्याम नारायण सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश के लिए उस मार्ग के सीसीटीवी चेक किए जाएंगे। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बड़े ही धूमधाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। धूमधाम से जन्माष्टमी मनाई गई। रात 12 बजे घर-घर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया।इस दौरान नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, जयकारे लगते रहे। मंदिरों में भी जन्माष्टमी पर कार्यक्रम हुए। कई बच्चों को कान्हा बनाकर सजाया गया। बीती देर शाम शुरू हुए भजन-कीर्तन का सिलसिला कृष्ण जन्म होने तक चलता रहा।भक्तों ने उपवास रखकर भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना की। रात के 12 बजते ही आरती, पूजन और शंखनाद के साथ श्रीकृष्ण जन्म का उत्सव शुरू हो गया। जय कन्हैया लाल की मंदिरों में पुजारियों तो घरों में भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया। इसके बाद हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की, यशोदा जायो लल्ला, मचो है आज हल्ला के जयकारों और भजनों से मंदिर व घर गुंजायमान होते रहे। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के बाद आरती व प्रसाद वितरण कर लोगों ने लड्डू गोपाल से सुख, समृद्धि की कामना की। पुलिस लाइन सहित अधिकांश पुलिस थानों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई।पुलिस ने भी थानों के मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के मनाया। पुलिस लाइन मंदिर का आकर्षक श्रृंगार किया गया। रात बारह बजे एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा व एएसपी अखिलेश सिंह ने पुलिस अधिकारियों के साथ पूजन किया।

प्रतिसार निरीक्षक अब्दुल रशीद ने प्रसाद वितरण कराया। इसके पूर्व सायं से भजन कीर्तन आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए जो रात 12 बजे तक चले।पुलिस थाना गंगाघाट, कोतवाली, दही, अजगैन, सोहरामऊ, सफीपुर, बांगरमऊ, माखी, बेहटा और पुरवा में पुलिसकर्मियों ने एकजुट होकर जन्माष्टमी का पर्व मनाया। प्रत्येक थाने में श्रीकृष्ण के चित्र की पूजा की गई और विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए गए।इस दौरान पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी और मिलकर खुशी मनाई।

गंगाघाट पुलिस थाना में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की विशेष पूजा अर्चना की गई। थाने में झूला सजाया गया और कृष्ण के बाल रूप की आराधना की गई। यहाँ के पुलिसकर्मियों ने भजन-कीर्तन किया और श्रीकृष्ण के जीवन से संबंधित कहानियां साझा कीं।कोतवाली थाने में भी जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। थाने में सजावट के साथ-साथ कृष्ण भजन का आयोजन किया गया। पुलिसकर्मियों ने इस अवसर पर विशेष भजन संध्या का आयोजन किया और श्रीकृष्ण के जीवन की महिमा पर प्रकाश डाला।दही पुलिस थाने में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर खास तैयारी की गई। थाने में जन्माष्टमी की झांकियां सजाई गईं और भव्य तरीके से पूजा अर्चना की गई।

पुलिसकर्मियों ने इस अवसर पर मिलकर प्रसाद वितरित किया और कृष्ण जन्म के महत्व को लेकर चर्चा की।अजगैन, सोहरामऊ, सफीपुर, बांगरमऊ, माखी, बेहटा, और पुरवा पुलिस थानों में भी इस पावन पर्व का आयोजन धूमधाम से हुआ। यहाँ के पुलिसकर्मियों ने कृष्ण जन्माष्टमी की पूजा विधिपूर्वक की और एकजुट होकर इस खुशी के मौके को सेलिब्रेट किया।उन्नाव में जन्माष्टमी के इस पर्व ने सभी को एकजुट किया और हर किसी ने इस पावन अवसर का आनंद लिया। पुलिस कर्मियों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों ने भी इस पर्व को मिलकर खुशी से मनाया और श्रीकृष्ण के प्रति अपनी भक्ति और श्रद्धा अर्पित की।

चेहल्लुम पर शहर में निकाला गया भव्य जुलूस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रविवार रात को चेहल्लुम के अवसर पर शहर में भव्य जुलूस निकाला गया। इस मौके पर मातम और सीनाजनी के साथ लोग हाथों में अलम और ताबूत लेकर इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए मस्जिद पहुंचे और नौहाख्वानी की। मोहर्रम के 40वें दिन मनाए जाने वाले चेहल्लुम पर मातमदरों का गम साफ नजर आ रहा था।बीती रात आजादरों ने जागकर मातम के कर्बला में शहीद 18 बनी हाशिम के ताबूत की सबीह निकाली। अगले दिन, सोमवार सुबह करीब दस बजे शहर के जेर खिड़की से जुलूस की शुरूआत हुई, जो मोहल्ले चौधराने स्थित जामा मस्जिद पर समाप्त हुआ। इस जुलूस में सैकड़ों लोग शामिल हुए और नम आंखों से इमाम हुसैन को याद किया।जुलूस अलग-अलग मोहल्लों से निकलकर जेर खिड़की से होते हुए चौधराने में पहुंचा। इसके बाद, हसन जैदी के इमाम बारगाह से अंजुमन ए हुसैनिया ने जुलूस का नेतृत्व किया, जो चौधरी कासिम हुसैन जैदी के इमाम बारगाह में समाप्त हुआ। यहां पर अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन की याद में मातम किया।जुलूस में शामिल लोगों ने बताया कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में हर साल की तरह इस साल भी जुलूस निकाला गया। आशूर के दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत के बाद, हजरत की बहन जनाबे जैनब ने कूफा और शाम में अपने खुतबों के माध्यम से लोगों को इमाम हुसैन की शहादत और यजीद द्वारा किए गए जुल्मों के बारे में विस्तार सेबताया।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर क्षेत्र भर में घर-घर बधाई व गाये गए सोहर

बांगरमऊ, उन्नाव। श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव सोमवार को क्षेत्र भर में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान घर-घर बधाई और सोहर गाये गए ।जन्मोत्सव मनाए जाने के लिए आस्थावान भक्तों नें घरों में झांकियाँ सजाई। लोग लड्डू गोपाल की झांकी सजाने के लिए बाजारों में बिक रहे सजावटी सामानों के साथ पालना, झूला आदि तरह-तरह के सामानों की खरीद खरीद कर घरों में मनमोहक झाकियां सजाई ।पिछले दो तीन दिनों से सुबह से ही बाजारों में दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ देखी गई। हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। जन्माष्टमी का व्रत रहकर पूजा पाठ करने वाले भक्तों नें पूरे दिन व्रत रखकर भगवान का जन्मोत्सव मनाया। आचार्य पंडित अरबिंद ,शिवम व बिनय प आदि आचार्यों ने बताया कि 26 अगस्त की रात में रोहणी नक्षत्र में श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जगह जगह धूम धाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस समय में भक्तगणों नें बाल गोपाल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनानें के साथ भजन कीर्तन किया।आस्थावान लोगों नें दिन भर व्रत रहकर भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप का ध्यान करते हुए पूजा पाठ किया। दो दिन पहले से ही भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण के लिए पालना और वस्त्र की खरीदारी की। सजावट के सामानों की खरीदारी की। बाजारों में विभिन्न प्रकार के पालना बिक रहे थे ।इस बार बाजार में मथुरा से आए पालने की बिक्री खूब हो हुई । वहीं श्रीकृष्ण के लिए मखमली कपड़ों की लोगों नें खूब खरीदारी की।

किशोरी के साथ हुए रेप की घटना को बाल कल्याण समिति ने लिया अपने संज्ञान में

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। किशोरी से रेप मामले में सदर कोतवाली पुलिस ने आरोपी दुकानदार को जेल भेजने के बाद बाल कल्याण समिति को घटना जानकारी हुई। अब पुलिस की लापरवाही के बाद भाई-बहन की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।मां की मौत के बाद नशेबाज पिता से घर से निकल देने पर बच्चे सड़क पर आ गए थे। उधर, समिति पदाधिकारियों ने रेस्क्यू कर भाई-बहन को उनकी ताई के सुपुर्द कर दिया है। मगर माना जा रहा है कि अभी भी दोनों सुरक्षित नहीं है।समिति सदस्यों के मुताबिक दुष्कर्म पीड़िता व भाई को लखनऊ भेजा जाएगा। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी की मां का कुछ माह पहले निधन हो गया था। अक्सर नशे में रहने वाले पिता ने किशोरी व उसके छोटे भाई को घर से निकाल दिया था। उसके बाद भाई और बहन शहर में ही रहने वाली बहन के घर आए गए थे। एक माह पहले बहन की मौत होने पर वह भटकने को मजबूर हो गए थे। उसके बाद दोनों भाई और बहन एसपी कार्यालय से कचहरी के बीच पानी के पाउच की बिक्री कर गुजार बसर कर रहे थे और रात में जहां भी जगह मिलती थी। वहां पर सो जाते थे। तीन दिन पहले कचहरी गेट के सामने एक चाय दुकान में पड़ी बेंच पर रात में भाई और बहन सो रहे थे। सोते समय चाय दुकानदार ने बहन से दुष्कर्म किया था। पुलिस ने किशोरी का मेडिकल जांच व कलमबंद बयान करवा कर आरोपी दुकानदार शैलेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया था।मामले की जानकारी बाल कल्याण समिति अध्यक्ष न्याय पीठ को पुलिस तरफ से नहीं दी गई। समिति की अध्यक्ष प्रीति सिंह ने बताया कि ऐसे मामलों में केस दर्ज होने के बाद पुलिस को सूचना देनी चाहिए। पुलिस को भी नोटिस भेजी जाएगी।

24 घंटे में बढ़ गया गंगा का 15 सेंटीमीटर जलस्तर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है। पिछले तीन दिनों से लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी। लेकिन अब 24 घंटे में गंगा का जलस्तर 15 सेंटीमीटर बढ़ गया है। जिससे क्षेत्र में चिंता का माहौल पैदा हो गया है। तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बढ़े हुए जलस्तर के कारण बाढ़ का खतरा सताने लगा है।उन्नाव के कई मोहल्ले जैसे कर्बला, सैय्यद कंपाउंड, नई बस्ती और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ का पानी अभी भी भरा हुआ है। इन इलाकों में रहने वाले लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। जिससे लोग परेशान हैं। जलस्तर में वृद्धि के कारण तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा और भी बढ़ गया है।गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु 112 सेंटीमीटर से 69 सेंटीमीटर दूर है। सोमवार को मापा गया जलस्तर 111.290 सेंटीमीटर दर्ज किया गया, जो चिंता का विषय है। बढ़ते जलस्तर ने शुक्लागंज जैसे इलाकों में भी स्थिति को गंभीर बना दिया है। जहां बाढ़ का पानी अभी भी घरों के आस-पास जमा हुआ है।स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल इस स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। लोगों को बाढ़ से बचाने के लिए आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। हालांकि, जलस्तर में इस अचानक वृद्धि के कारण राहत कार्यों में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। प्रशासन द्वारा एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।इस स्थिति में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने और बाढ़ की तैयारी करने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क है। बाढ़ से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए तैयार है। लोगों को बाढ़ के संभावित खतरों से अवगत कराने के लिए लगातार सूचनाएं और चेतावनी जारी की जा रही।बाढ़ के इस प्रकोप के चलते जीवन जीने की सामान्य स्थिति प्रभावित हुई है। लोगों को दैनिक जीवन की बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाई जा सके। उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके।

नगर पालिका कार्यालय में आयोजित हुआ नागरिक सुविधा दिवस

शुक्लागंज, उन्नाव। मंगलवार को पालिका अध्यक्ष कौमुदी पांडेय और ईओ मुकेश मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित नागरिक सुविधा दिवस में, नगर के तमाम वार्डों में रहने वाले विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। एडीएम (न्यायिक) विकास सिंह, एसडीएम हिमांशु गुप्ता और नायब तहसीलदार ने पालिका कार्यालय में उपस्थित लोगों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान सात लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। जिसमें जिनमें गली निर्माण, सड़क किनारे अतिक्रमण, दाखिल खारिज, और जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दे शामिल थे। अधिकारियों ने संबंधित पालिका कर्मचारियों और जन प्रतिनिधियों को इन समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में कार्यरत ट्रेनी डॉक्टर की रेप और हत्या के मामले ने एक बार फिर से देश को झकझोर दिया है। इससे पहले वर्ष 2012 में निर्भया कांड ने देश को हिलाकर रख दिया था। निर्भया कांड के बाद रेप व हत्या के खिलाफ कठोर कानून बने, उससे लगा कि देश में ऐसे मामलों में कमी आएगी, लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े उम्मीदों पर पानी फेरते हैं। करीब 12 वर्ष में देश में तीन लाख से अधिक महिलाओं के खिलाफ अपराध दर्ज हुए, इनमें करीब दो लाख यौन हिंसा के मामले हैं। बड़ी बात है कि एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक,कई सांसद व विधायक हैं, जिन पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं।महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा का बढ़ना दिखाता है कि सरकार, शासन, पुलिस प्रशासन विफल साबित हो रहे हैं, कठोर कानून का भय भी अपराधियों में नहीं है, लगता है जैसे समूचा समाज बीमार है। पुरुष का एक वर्ग मानसिक विकृति व यौन कुंठा से ग्रसित प्रतीत हो रहा है। महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही यौन हिंसा चिंतनीय है, आखिर इसे कैसे रोका जा सकता है? यौन अपराध नहीं रुक रहे हैं। समाज व परिवार की भूमिका कमजोर क्यों साबित हो रही है? कोलकाता रेपहत्याकांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों की पड़ताल करता आजकल का यह अंक...

सामाजिक-प्रशासनिक समाधान जरूरी

रेपहत्याकांड

रोहित कौशिक

वरिष्ठ पत्रकार

सवाल यह है कि क्या फांसी के डर से ऐसी घटनाएं वास्तव में कम हो रही हैं। निर्भया केस में दोषियों को फांसी दी गई, लेकिन उसके बाद भी रेप व हत्याकांड की कई घटनाएं घटीं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आज कुछ बाजारवादी शक्तियां समाज की वासना को जानबूझकर भड़काने का प्रयास कर रही हैं। इसलिए न ही तो जनता का गुस्सा और न ही फांसी का डर ऐसी घटनाओं पर लगाम लगा पा रहे हैं। आज कुछ बुद्धिजीवी नैतिकता और प्रगतिशीलता को विरोधाभासी प्रक्रिया सिद्ध करने में लगे हुए हैं। जबकि प्रगतिशील होने का अर्थ नैतिकता खो देना नहीं है। इसलिए प्रगतिशील होते हुए कैसे समाज की नैतिकता बरकरार रहे, यह हमें सोचना होगा।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर से रेप व हत्या की घटना के बाद महाराष्ट्र के ठाणे जिले के वदलापुर में निजी स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण की घटना सामने आई है। कोलकाता की घटना के समय ही उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर में घर लौट रही एक नर्स का दुष्कर्म कर बर्बरता से उसकी हत्या कर दी गई थी। बिहार के मुजफ्फरपुर में भी 14 साल की छात्रा से बलात्कार करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। महिलाओं और छोटी-छोटी बच्चियों से बलात्कार किए जाने की घटनाएँ लगातार प्रकाश में आती रहती हैं। ऐसी घटनाएँ बार-बार हमारी सभ्यता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं।

अब हमें इस समस्या के पीछे छिपे मनोविज्ञान पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श करना होगा, तभी इस समस्या का स्थाई समाधान खोजा जा सकता है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना ने समूचे देश को एक बार फिर से शर्मसार किया है। बेशक मामले की जांच सीबीआई कर रही है, कुछ आरोपित गिरफ्तार हैं और पूछताछ का सामना कर रहे हैं, लेकिन इस मामले में कोलकाता हाईकोर्ट ने जिस प्रकार पश्चिम बंगाल की सरकार को सवालों के घेरे में खड़ा किया और उसके बाद जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने मामले में शासन व प्रशासन को लताड़ लगाई, उससे इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार की प्रशासनिक विफलता की पोल खुली है। यह रेप-हत्याकांड हमारे समाज पर सवाल उठाता है, बढ़ रही मानसिक विकृति की तरफ इशारा करता है। महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा को रोकने में केवल कानून, सरकार और पुलिस प्रशासन ही कारगर नहीं हैं, बल्कि सामाजिक व पारिवारिक संस्कार भी विकसित करने की जरूरत है।

क्यों बढ़ती जा रही ऐसी घटनाएं

आज जिस प्रकार से इस प्रकार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, उसे केवल कुछ तत्वों का मानसिक दिवालियापन कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। समाज में इस तरह के व्यवहार का बढ़ना स्पष्ट रूप से यह संकेत देता है कि हमारे सामाजिक ताने-बाने में कहीं न कहीं कोई खोट जरूर है। यहाँ यह विचार करना भी जरूरी है कि यह खोट अपने आप पैदा हुआ है या फिर जानबूझकर पैदा किया जा रहा है। दिसम्बर 2012 में हुई दिल्ली सामूहिक बलात्कार की घटना के विरोध में जिस तरह से जनता सड़कों पर उतरी थी, उसे देखकर लगा था कि शायद हमारा समाज जाग गया है। लेकिन इस घटना के बाद भी लगातार ऐसे समाचार प्रकाश में आते रहे। हैवानियत और दरिंदगी की ऐसी घटनाओं पर गुस्सा जायज है लेकिन केवल गुस्से से ही किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। हमें ठहरकर यह सोचना होगा कि बार-बार इस तरह की घटनाएँ

क्यों घट रही हैं। सवाल यह है कि क्या पितृसत्तात्मक समाज महिलाओं को सच्चे अर्थों में सम्मान देता है? एक तरफ हम महिलाओं के मामले में स्वयं को प्रगतिशील मानने हैं तो दूसरी तरफ महिलाओं के प्रति हमारी दृष्टि साफ नहीं होती है। जब तक हम महिलाओं को सच्चे अर्थों में सम्मान देना नहीं सीखेंगे तक तब ऐसी घटनाओं को रोकने के सारे उपाय फौरी साबित होंगे। दरअसल, बलात्कार एक ऐसा शोषणकारी शब्द है जिससे उस शोषणकारी व्यवहार एवं प्रक्रिया का बोध होता है जो न केवल हमारे अस्तित्व को हिलाकर रख देती है बल्कि हमारे अन्दर एक हीनभावना भी पैदा कर देती है। इस व्यवहार का एक दुखद और विरोधाभासी पहलू यही है कि जो व्यक्ति इस घिनौने कृत्य को अंजाम देता है उसके अन्दर हीनभावना पैदा नहीं होती है बल्कि पीड़िता स्वयं को हीन मानने लगती है। दुनिया का कोई भी शोषणकारी व्यवहार श्रेष्ठता और हीनता के बोध के बिना पैदा नहीं होता है। इस व्यवहार में स्वयं को श्रेष्ठ या बड़ा सिद्ध करने तथा दूसरों को हीन या छोटा सिद्ध करने की प्रवृत्ति होती है। बलात्कार या दुष्कर्म जैसी घटनाओं में यह भाव तात्कालिक रूप से भी पैदा हो सकता है। साथ ही वासना का तात्कालिक आवेग भी ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार है। जो भी हो ,बलात्कार जैसी घटनाएँ न केवल मनुष्य की यौन-स्वतंत्रता और यौन-शुचिता पर कुठाराघात है बल्कि उसे यौनिक रूप से पंगु बना देने की चाल भी है। मनोवैज्ञानिक ऐसे घिनौने कृत्य करने वाले लोगों को मानसिक रूप से बीमार बताते हैं लेकिन सवाल यह है कि इस दौर में यह मानसिक बीमारी क्यों बढ़ती जा रही है? बलात्कारी या दुष्कर्मी को केवल मानसिक रूप से बीमार कहकर ऐसी घटनाओं की गंभीरता को कम नहीं किया जा सकता। ऐसा नहीं है कि ऐसी घटनाएँ पहले नहीं होती थीं। पहले भी ऐसी घटनाएँ प्रकाश में आती थीं लेकिन इस दौर में ऐसे घिनौने कृत्यों की बाढ़ आ गई है। यह बाढ़ कब किसे अपनी चपेट में ले ले, कहा नहीं जा सकता। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस बाढ़ को रोकने के लिए जितने भी उपाय किए जा रहे हैं, वे सब सतही और फौरी साबित हो रहे हैं। यही कारण है कि दुष्कर्म की एक घटना को हम भूल भी नहीं पाते हैं कि दूसरी घटना प्रकाश में आ जाती है। यह सब तो तब है जब ऐसी घटनाओं के विरोध में जनता सड़कों पर आ जाती है लेकिन जनता का गुस्सा ,सरकार की कोशिश और कानून का डर भी दुष्कर्मियों के नापाक हौसलों को पस्त नहीं कर पा रहा है। ऐसी घटनाओं के बाद जनता माँग करती है कि दुष्कर्मियों को शीघ्र से शीघ्र फाँसी दी जाए। लेकिन सवाल यह है कि क्या फाँसी के डर से ऐसी घटनाएँ वास्तव में कम हो रही हैं। निर्भया केस में दोषियों को फांसी दी गई, लेकिन उसके बाद भी रेप व हत्याकांड की कई घटनाएं घटीं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आज कुछ बाजारवादी शक्तियाँ समाज की वासना को जानबूझकर भड़काने का प्रयास कर रही हैं। इसलिए न ही तो जनता का गुस्सा और न ही फाँसी का डर ऐसी घटनाओं पर लगाम लगा पा रहे हैं। आज कुछ बुद्धिजीवी नैतिकता और प्रगतिशीलता को विरोधाभासी प्रक्रिया सिद्ध करने में लगे हुए हैं। जबकि प्रगतिशील होने का अर्थ नैतिकता खो देना नहीं है। इसलिए प्रगतिशील होते हुए कैसे समाज की नैतिकता बरकरार रहे, यह हमें सोचना होगा। निश्चित रूप से कड़ा कानून और पुलिस की तत्परता दुष्कर्म की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए अति आवश्यक हैं। लेकिन ये उपाय भी इस समस्या का वास्तविक समाधान नहीं हैं। अब समय आ गया है कि हम ऐसी घटनाओं के मूल कारणों पर ध्यान दें। पिछले कुछ वर्षों में नैतिकता और अनैतिकता के बीच की स्थिति जिस तरह से गड्डमड्ड हुई है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। टीवी, फिल्मों और विज्ञापनों में जिस तरह की नंगई पसरी हुई है, वह आज नैतिक हो गई है। इंटरनेट पर जो पॉर्न साइटें उपलब्ध हैं, वे भी नंगई और वासना का एक नया शास्त्र गढ़ रही हैं। फिल्मों में जब हम द्विअर्थी संवाद और नंगे दृश्य सुनते और देखते हैं तो परिवार के सामने हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। अनेक फिल्मों के गीत-संगीत को सुनकर और इन गानों पर नायिकाओं द्वारा किए जाने वाला अभिनय देखकर ऐसा लगता है कि मानो जानबूझकर श्रोताओं और दर्शकों की वासना को गति प्रदान करने के लिए यह सब कुछ किया जा रहा है।

स्थायी उपचार की आवश्यकता

यह विडम्बना ही है कि ऐसी स्थिति में भी सेंसर बोर्ड एक गहरी नींद सो रहा है। सामाजिक व मानसिक नंगेपन की प्रक्रिया मानसिक रूप से बीमार बनाती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है। अब सरकार, समाज व परिवार को इस विषय पर गंभीरता के साथ विचार करना होगा। स्थायी उपचार के अभाव में हमारे समाज में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की बीमारी कैंसर की तरह बढ़ती रहेगी और हम यूँ ही सड़कों पर अपना गुस्सा दिखाते रहेंगे। महिलाओं को सम्मान सुनिश्चित करके ही ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

आखिर कब तक...

यौन हिंसा

बाल मुकुन्द ओझा

वरिष्ठ पत्रकार

सर्वोच्च न्यायालय ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के प्रकरण पर बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए पुलिस की जांच पर सवाल उठाये और इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि पुलिस ने जो प्रक्रिया अपनाई, वह क्रिमिनल प्रोसिजर कोड से अलग है। जज ने कहा, अपने 30 साल के करियर में मैंने ऐसा नहीं देखा। पुलिस की जांच से हमें सदमा लगा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार देश में दो साल की बच्ची से लेकर बुजुर्ग महिला तक दुष्कर्म की शिकार हो रही हैं। ऐसे में कानून के पालनहार कोई सख्त कदम उठाने के बजाय अपनी गलतियों को छिपाने के लिए नित नए बहाने ढूंढ रहे हैं। महिलाओं के साथ होने वाले बलात्कार, छेड़छाड़ और शोषण जैसे अपराधों में तेजी आई है। ऐसा लगता है निर्भया से लेकर कोलकाता और बदलापुर तक के सफर में कहीं सुधार के लक्षण परिलक्षित नहीं हो रहे हैं। देश में एक बार फिर महिलाओं की इज्जत से खिलवाड़ के खिलाफ भारी आक्रोश के स्वर सुनाई देने लगे हैं। राजनीतिक दलों की कथनी और करनी से भी पर्दा उठने लगा है। महिलाओं के उत्पीड़नकर्ताओं के मन में सजा का भय ही नहीं है, यही वजह है कि यौन हिंसा के मामलों में वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2022 के बीच भारत में बलात्कार के कुल 1.89 लाख मामले दर्ज किए गए, जिनमें 1.91 लाख पीड़ित शामिल थे। बलात्कार पीड़ितों की सबसे अधिक संख्या 18 से 30 वर्ष की आयु के बीच है। बहुत सारे मामले ऐसे हैं, जिनकी थानों में रिपोर्ट ही नहीं हो पाती। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की मानें तो पिछले 10 वर्षों में महिलाओं के साथ बलात्कार के मामलों में 44 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे मामलों में ज्यादातर महिलाएं रिपोर्ट दर्ज कराने से झिझकती हैं। वे सामाजिक, पारिवारिक या अन्य किसी दबाव की वजह से अपने साथ हुए जघन्य अपराध के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने में असफल होती हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट का विश्लेषण करें तो पाएंगे देश में कानून का इकबाल खत्म हो गया है। विशेषकर महिलाओं से दुष्कर्म के मामलों में। चाहे किसी पार्टी का शासन हो, दावे अवश्य बढ़चढ़ कर किये जाते है मगर अपराधियों के खौफ के आगे सभी बेबस है। समाज के नजरिए में भी महिलाओं के प्रति अब तक कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला है। यौन अपराध चिंताजनक रफ्तार से बढ़ रहे हैं। पिछले चार दशकों में अन्य अपराधों की तुलना में रेप की संख्या में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है और दोषियों को सजा देने के मामले में हम सबसे पीछे हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2018 से 2022 के बीच बलात्कार के मामलों में दोष साबित होने की दर 27 से 28 प्रतिशत थी। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में कमी नहीं आ रही है। भारत में आए दिन महिलाएं हिंसा और अत्याचारों का शिकार हो रही हैं। सवाल है आखिर कब तक?

सांसद-विधायक भी उत्पीड़न के आरोपी

एडीआर रिपोर्ट

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

पश्चिम बंगाल के रेप-हत्याकांड और महाराष्ट्र की बदलापुर छात्रा यौन हिंसा की घटना के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सांसदों व विधायकों के लिप्त होने संबंधी एडीआर की रिपोर्ट चौंकाने वाली है। यह देश और जनता के लिए आश्चर्य में डालने वाली रिपोर्ट है कि ऐसे विधायक और सांसदों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जो गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े हैं। हैरानी इस पर भी है कि सभी राजनीतिक दल इस पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बना रहे हैं और वे जीत भी रहे हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताबिक 16 वर्तमान सांसद और 135 विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामले दर्ज हैं। यही नहीं, इनमें दो सांसदों और 14 विधायकों पर दुष्कर्म के मामले चल रहे हैं। इन 151 सांसद और विधायकों ने अपने चुनावी शपथ-पत्रों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की जानकारी दी है। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान चुनाव आयोग को सौंपे गए वर्तमान सांसद और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से ये तथ्यात्मक दस्तावेजी प्रमाण निकाले हैं।

पश्चिम बंगाल में ज्यादा मामले

पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 सांसद व विधायक महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे हैं। इसी प्रकृति के मामलों में ओडिसा 17 सांसद व विधायकों के साथ दूसरे पायदान पर खड़ा है। इनमें से 16 वर्तमान सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने आईपीसी की धारा 376 के तहत दुष्कर्म से संबंधित मामले घोषित किए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम 10 साल की सजा का प्रावधान है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे सर्वाधिक मामले भाजपा प्रतिनिधियों के हैं। भाजपा के 54 सांसदों और विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध दर्ज हैं। कांग्रेस के 23 और तेलगु देशम पार्टी के 17 सांसदों और विधायकों पर इसी प्रकृति के मामले हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के पांच-पांच मौजूदा विधायकों पर दुष्कर्म के आरोप हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि भाजपा और कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को टिकट देने से बच नहीं रहे हैं। कम से कम इन दलों को दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर मामलों से जुड़े व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने से बचना चाहिए। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय इस परिप्रेक्ष्य में कानूनी विसंगतियों को दूर करने के उपाय करती रहा है। न्यायालय ने 10 जुलाई 2013 को दिए एक फैसले के अनुसार किसी आपराधिक मामले में 2 वर्ष की सजा पाए सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों के पद पर बने रहने के अधिकार को समाप्त कर दिया था। जिस तारीख से सजा सुनाई गई थी, उसी दिन से माननीयों की सदस्यता निरस्त मान ली गई थी। अदालत ने इस फैसले में जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (4) को रद कर दिया था।

जनप्रतिनिधित्व कानून

यह धारा दागी नेताओं को मुकदमे लंबित रहते हुए

भी पद पर बने रहने की छूट देती थी, यह फैसला 2006 में दाखिल वकील लिली थॉमस की याचिका पर दिया गया था। किंतु इस फैसले के विरुद्ध केंद्र सरकार ने संसद में सर्वसम्मति से संशोधन बिल लाकर शीर्ष अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। इस बिल में धारा 8 की उपधारा 4 में एक प्रावधान जोड़ा, ताकि दागी नेताओं की कुर्सी बचे रहे और वे सदन की कार्यवाही में भागीदारी करते रहें। किंतु अदालत ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा कि उपधारा 4 भेदभावपूर्ण है, क्योंकि यह दोषी ठहराये गए आमजन को तो चुनाव लड़ने से रोकती है, लेकिन जनप्रतिनिधि को सुरक्षा मुहैया कराती है।

विरोधाभासी धारा 8/4

याद रहे, राहुल गांधी की लोकसभा सदस्य की सदस्यता भी इसी कानून के आधार पर समाप्त की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने दागियों का महत्व राजनीति से समाप्त करने की दृष्टि से महज जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 8/4 को खारिज किया था। यह एक ऐसी विरोधाभासी धारा थी, जो पक्षपात बरतते हुए दोषियों को दोहरे दृष्टिकोण से परिभाषित करती थी। दरअसल, जनप्रतिनिधि कानून की जिस धारा 8/4 को न्यायालय ने विलोपित किया था, उसकी प्रतिच्छाया में अब तक प्राथमिकी में नामजद और सजायाफ्ताओं को निर्वाचन में भागीदारी के सभी अधिकार प्राप्त थे।

समानता का अधिकार

हालांकि जनप्रतिनिधि कानून के विपरीत संविधान के अनुच्छेद 173 और 326 में प्रावधान है कि न्यायालय द्वारा दोषी-करार दिए लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जा सकते हैं। यहां प्रश्न खड़ा होता है कि जब संविधान के अनुसार कोई अपराधी मतदाता भी नहीं बन सकता तो वह जनप्रतिनिधि बनने के नजरिए से निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी कैसे कर सकता है? संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत यह दोहरा मापदंड समानता के अधिकार का उल्लंघन है। समान न्यायिक व्यवहार की इस मांग को जनहित याचिका के जरिए लिली थॉमस और लोक प्रहरी नामक एनजीओ ने अदालत के समक्ष रखा था। याचिका में दर्ज इस विसंगति को शीर्ष न्यायालय ने अपने अभिलेख में प्रश्नांकित करते हुए केंद्र से जवाब तलब भी किया था। केंद्र ने शपथ-पत्र देकर तर्क गढ़ा था कि 'कई बार सरकार बनाने या गिराने में चंद वोट ही बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, लिहाजा सजा मिलने पर किसी जनप्रतिनिधि की सदस्यता खत्म कर दी जाती है, तो सरकार की स्थिरता ही खतरे में पड़ सकती है।'

सरकार ने यह भी तर्क दिया था 'यह उन मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार का हनन होगा, जिन्होंने उन्हें चुना है।' जाहिर है, सरकार राजनीति में शुचिता लाने के बरक्स अपराध बहाली को तरजीह दे रही थी। अन्यथा सरकार क्या यह नहीं जानती कि जो प्रतिनिधि जेल में कैद है, वह क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कैसे कर सकता है? क्या सरकार इस संवैधानिक व्यवस्था से अनभिज्ञ है कि किसी प्रतिनिधि की मृत्यु होने, इस्तीफा देने अथवा सदस्यता खत्म होने पर छह माह के भीतर नया जनप्रतिनिधि चुनने की संवैधानिक अनिवार्यता है?

पदमुक्त करने की जरूरत

इस स्थिति में न तो कोई निर्वाचन क्षेत्र नेतृत्वविहीन रह जाता है और न ही किसी सरकार की स्थिरता खतरे में पड़ती है? फिर क्या महज सरकार बनाए रखने के लिए अपराधियों का साथ लिया जाए? ऐसी दोषपूर्ण प्रणाली के चलते ही राजनीति का मूलाधार वैचारिक अथवा संवैधानिक निष्ठा की बजाय सत्ता के गणित में सिमट कर रह गया है। जरूरत महिलाओं के खिलाफ अपराध में शामिल जनप्रतिनिधियों को पद से मुक्त व कानून के कटघरे में खड़ा करने की है।

...क्यों नहीं रुक रहे यौन अपराध

चिंतन

विनोद कौशिक

वरिष्ठ पत्रकार

देश में आधी आबादी यानी महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सरकारें भले ही महिलाओं के आत्मनिर्भर, मजबूत और सशक्तिकरण की बातें करती हों, लेकिन हालात कुछ और ही बयां करते हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद भी सरकारें अपराधों के सामने खुद को बौना ही पाती हैं। सिर्फ कानून बदलने से ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती। इसके लिए और अधिक प्रयास किए जाने की जरूरत है। हाल ही के दिनों की बात करें तो कोलकाता में महिला जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद दर्दनाक हत्या, बिहार के मुजफ्फरपुर में एक किशोरी की अपहरण के बाद गैंगरेप और फिर हत्या, सोनीपत, जींद और यूपी के कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार के प्रयास के आरोप में सपा के एक नेता को गिरफ्तार किया जाना, जैसे मामलों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। ऐसे मामलों को लेकर पूरा देश गुस्से में है और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और फांसी की सजा दिए जाने की मांग कर रहा है। कुछ दिनों पहले मणिपुर में महिलाओं को नग्न कर गांव में घुमाया जाना जैसे तमाम मामले हैं जो सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाते हैं। ऐसे मामले सामने आने पर राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और प्रशासन का मौन धारण करना भी सवाल उठाता है। महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं, न घर में, न कार्यालय में, न गांवों और न ही शहरों में, ऐसे में महिलाओं को मजबूती कैसे मिलेगी? वे आत्मनिर्भर कैसे बनेंगी? उनका सशक्तीकरण कैसे होगा? ऐसे तमाम सवाल हैं जो आज भी सुरसा की तरह मुंह बाए खड़े हैं। इस समय महिलाएं संसद, विधानसभा और प्रशासन में बड़े ओहदों पर मौजूद हैं। इसके बावजूद खुद महिलाएं भी महिला अपराधों के खिलाफ ठीक से आवाज नहीं उठा पा रही हैं। ऐसी क्या मजबूरी है कि महिलाएं कई मामलों में सक्षम होने के बावजूद ऐसे मामलों में खुद को असहाय महसूस करती हैं।

कोलकाता रेपहत्याकांड

कोलकाता में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दर्दनाक घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। यह घटना महिला सुरक्षा और लोगों के विश्वास पर गहरा प्रश्नचिह्न लगाती है। इस घटना के विरोध में देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं और न्याय की मांग की जा रही है। इस मामले पर राजनीति भी देखी जा रही है। महिला सुरक्षा की मांग और इस पर हो राजनीति के बीच एक बात गौर करने वाली है। ऐसा सिर्फ इसी मामले में नहीं, बल्कि महिलाओं से जुड़े दूसरे मामलों में भी देखने को मिल रहा है। एक चुप्पी जिसके पीछे कई सवाल अपने आप खड़े हो जाते हैं। बता दें कि 9 अगस्त को आजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश मिली थी। डॉक्टर के निजी अंगों, आंखों और मुंह से खून बह रहा था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद हत्या की बात सामने आई थी। इस मामले की अब सीबीआई जांच हो रही है। इससे पहले जांच कर रही पश्चिम बंगाल की पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। आखिर रोंगटे खड़े करने वाली रेप व हत्या की घटना पर पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी की सरकार एक्शन को लेकर तत्परता से क्यों काम नहीं कर रही थी?

घटना पर नाउम्मीद क्यों

इस समय देश में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ाने की बात हो रही है और यह बहुत अच्छी बात भी है। संसद में महिला आरक्षण बिल पास हो गया और आने वाले वक्त में महिलाओं की भागीदारी और भी बढ़ेगी। यह फैसला भी काफी देर से हुआ, लेकिन ठीक है। ऐसे में महिलाओं की संख्या बढ़ेगी तो महिला सांसद, विधायक महिलाओं से जुड़े मामलों को बढ़चढ़ कर उठाएंगी। यह उम्मीद की जाती है, लेकिन बंगाल और बिहार जैसी घटना पर यह उम्मीद नाउम्मीद में क्यों बदल जाती है।

यूपी के कन्नौज में भी उत्पीड़न

यूपी के कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार के प्रयास के आरोप में समाजवादी पार्टी के एक नेता को गिरफ्तार किया गया। इस मामले पर समाजवादी पार्टी की एक महिला नेता ने कहा कि कौन सी नौकरी थी जो 15 साल की बच्ची रात में मांगने गई थी। अब इस बयान को सुनकर कोई क्या मतलब निकालेगा। इससे ऐसा लगता है कि पीड़ित को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब आते हैं उस मुद्दे की ओर जो मामले को और गंभीर बनाता है।

मुजफ्फरपुर में गैंगरेप व हत्या

बिहार के मुजफ्फरपुर में 9वीं क्लास की छात्रा की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसके साथ पूरी दरिंदगी की। उसके ब्रेस्ट तक काट दिए। निजी अंगों पर भी चाकू से प्रहार किया। किशोरी का शव अर्धनग्न हालत में अगले दिन पोखर में मिला। मुंह पर कपड़ा बंधा था। अगल-बगल मांस के चिथड़े और खून के धब्बे पड़े थे। पीड़ित के परिवार का कहना है कि 5 लोग घर से बेटी को उठाकर ले गए। छात्रा की मां ने थाने में लिखित शिकायत की है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, जिसमें गांव के ही संजय राय (41) समेत पांच को आरोपित भी बनाया गया। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेजाबी की, प्रदर्शन कर न्याय मांगा, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी इस मामले में पुलिस और प्रशासन खाली हाथ और मौन है।

महिलाएं क्यों नहीं दिखाती तेवर

सिर्फ विपक्ष ही नहीं, सत्ता पक्ष की ओर से भी ऐसा देखने में आया है कि जो तेवर और जो अंदाज अलग-अलग राजनीतिक दलों की महिला नेताओं का विरोधियों से जुड़े मामले पर देखने को मिलता है, वही तेवर अपनी ओर क्यों नहीं दिखता। क्या यह जरूरी नहीं, खासकर महिलाओं से जुड़े मामले में महिला नेता अपनी आवाज और बुलंद करें। यदि आवाज बुलंद होगी तो दूसरी बेटियों, महिलाओं को भी इससे ताकत मिलेगी और न्याय की उम्मीद बंधेगी।

और कदम उठाने होंगे

देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए गंभीरता से कदम उठाने होंगे। तभी महिलाओं के खिलाफ अपराध रुकेंगे। वरना नारी यूं ही प्रताड़ना का शिकार होती रहेगी और समाज में भेड़ की खाल में छुपे भेड़िये, दरिंदे यूं ही महिलाओं की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे। वहीं, दूसरी ओर ऐसे मामलों में राज्य सरकार, महिला आयोग, प्रशासन और पुलिस की जवाबदेही भी तय करनी होगी। कानूनों का कठोरता के साथ पालन करना होगा, तभी हम महिला अपराधों पर अंकुश लगाने में कामयाब हो सकेंगे। वरना देश की आधी आबादी यूं ही अपराध झेलती रहेगी और सिसकती रहेगी। आज महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने के लिए मिलकर संगठित प्रयास किए जाने की जरूरत है। तभी यह अपराध का दंश खत्म हो सकेगा।

संक्षेप

कुंडासर में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

वितरित की गई निशुल्क दवाएं

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। मंगलवार को आयुष आपके द्वार के क्रम में डॉ रंजन वर्मा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी के दिशा निर्देशन में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय कुंडासर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश कुमार के द्वारा स्टाफ के साथ श्री श्री 1008 बाबा सुंदर दास जी महाराज उदासीन आश्रम कुंडासर बहराइच में निशुल्क चिकित्सा शिविर कैंप का आयोजन किया गया।कैंप में आश्रम पर आए दूर दराज के ग्रामीणों को उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष विभाग के द्वारा आयुर्वेदिक विद्या का लाभ जन सामान्य को जनहित में मिला। उपरोक्त कैंप जो उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष आपके द्वारा के तहत संचालित हो रहे हैं लाभार्थियों ने काफी सराहना की। उपरोक्त कैंप के संचालन में महंत नारायण दास, ग्राम प्रधान कुंडासर के प्रतिनिधि विपिन सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी शिव शंकर सिंह का विशेष योगदान रहा। कैंप में 85 मरीजों को जांच के उपरांत निशुल्क औषधीय का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लाभार्थियों को डॉ राजेश कुमार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय कुंडासर के द्वारा संगोष्ठी के माध्यम से लोगो को जागरूक किया।

31 अगस्त को होगा निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। लखनऊ के चरक हॉस्पिटल और चरक हार्ट इंस्टीट्यूट द्वारा पूजा मेडिकल स्टोर के तत्वाधान में 31 अगस्त 2024, शनिवार को निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा। यह शिविर पूजा मेडिकल स्टोर, स्टेशन रोड, रुपईडीहा, बहराइच में आयोजित किया जाएगा। शिविर में निःशुल्क ओ.पी.डी संचालित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में आने वाले मरीजों को निःशुल्क परामर्श और ओ.पी.डी. के साथ-साथ खून की सभी जांचों पर 20% की छूट दी जाएगी। शिविर का नेतृत्व डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव करेंगे। शिविर मे आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों के लिए निःशुल्क ऑपरेशन और उपचार की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री राहत कोष द्वारा भी उपचार की सुविधा दी जाएगी। इस शिविर का आयोजन चरक हेल्थकेयर और रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है।

हापुड़ में नाले में पड़ा मिला अधेड़ का शव

हापुड़, हापुड़ में एक लापता अधेड़ का शव नाले में पड़ा मिला। लोगों ने शन को देख सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा।

ब्लाक सभागार महसी में डीएम ने ग्राम प्रधानों के साथ की बैठक

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। तहसील महसी क्षेत्र अन्तर्गत हिंसक वन्य जीव भेड़िया के हमलों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने ब्लाक मुख्यालय महसी के सभागार में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, सचिवों, कोटेदारों, रोजगार सेवकों व अन्य के साथ आयोजित बैठक के दौरान ग्राम प्रधानों को निर्देश दिया कि अपने-अपने ग्राम पंचायतों में टोलियों का गठन कर उनसे तीन से चार घंटे की शिफ्टों में पहरेदारी करायी जाय। सभी ग्राम प्रधान ग्रामवासियों को इस बात के लिए जागरूक करें कि खुले स्थानों विशेषकर खेतों से सटे हुए क्षेत्रों में एवं खुले स्थान पर न सोएं तथा अपने बच्चों को बाहर कदापि न सोने दें। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित करें कि बाहर में खुले स्थान पर सोने के बजाय लोग अपनी छतों अथवा बन्दिश वाले स्थानों पर सोयें जहां पर कोई हिंसक जीव स्वच्छन्द रूप से प्रवेश न कर सके।

डीएम ने ग्राम स्तरीय कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा, एनम व सफाईकर्मियों को निर्देश दिया कि डोर-टू-डोर जाकर लोगों को जागरूक करें तथा खेतों के किनारे बसे घरों में महिलाओं के साथ बैठक कर उन्हें प्रेरित करें कि खुले में न सोयें। डीएम ने कोटेदारों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न वितरण के समय आने वाले कार्डधारकों को भी हिंसक वन्य जीव के हमले के प्रति आगाह करें तथा खुले में न सोने के लिए जागरूक करें। डीएम ने खण्ड विकास अधिकारी शिवपुर राजेन्द्र प्रसाद को भी निर्देश दिया कि इसी प्रकार अपने ब्लाक में ग्राम प्रधानों, ग्राम स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा कोटेदारों के साथ बैठक कर लोगों को हिंसक वन्य जीवों से बचाव के लिए प्रेरित किया जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी महसी अखिलेश कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी राघवेन्द्र द्विवेदी, जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी राज कपूर, खण्ड विकास अधिकारी महसी हेमन्त यादव, सीडीपीओ महसी सीमा इजराईल तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

हिंसक वन्यजीव प्रभावित क्षेत्रों का डीएम व एसपी ने किया भ्रमण

शोकाकुल परिवार से भेंट कर व्यक्त की संवेदना

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक बृन्दा शुक्ला ने थाना खैरीघाट क्षेत्र का भ्रमण कर ग्राम पंचायत रायपुर के दीवानपुरवा पहुंच कर हिंसक जीव के हमले में मृत्यु बालक अयांश के शोकाकुल परिवार से भेंट कर संवेदना व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया कि जिला प्रशासन आपके साथ है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मौके पर मौजूद नोडल प्रभागीय वनाधिकारी आकाशदीप बधावन, उप जिलाधिकारी महसी अखिलेश कुमार सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार गौड़, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह तथा वन विभाग के अधिकारियों, क्षेत्र में गठित टास्क फोर्स के सदस्यों, वालंटियर्स, ग्रामवासियों से घटना के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में आमजन को हिंसक जीव के हमलों के प्रति जागरूक किया जाय तथा युद्ध स्तर पर सतर्कता बरतते हुए क्षेत्र में गश्त करें। इस अवसर पर डीएम मोनिका रानी ने ग्रामवासियों से अपील की है कि वे स्वयं भी अपने स्तर पर पूरी तरह से सतर्क रहें। घर के बाहर बच्चों को साथ में लेकर न सोये। डीएम ने ग्राम प्रधानों से भी अपील की है कि वे भी अपने स्तर से लोगों से अपील करें कि जिनके घर गन्ने, मक्का या धान के खेतों के करीब हैं वह लोग विशेष कर चौकसी बरते क्यों कि ऐसे क्षेत्रों में हिंसक जीवों के हमलों का खतरा ज्यादा रहता है। डीएम ने कहा कि पुलिस, राजस्व, वन, ग्राम्य विकास व अन्य सम्बन्धित विभागों की टीमें अपने-अपने स्तर पर प्रयास कर रही हैं।

ब्लॉक मुख्यालय पर लखपति दीदीयों को किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। विकास खंड नवाबगंज के ब्लॉक मुख्यालय पर प्रधान मंत्री के लाइव प्रसारण को लखपति सीआरपी, लखपति दीदीयों को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समूह सखी, आजीविका सखी, BC सखी, बैंक सखी एवं समस्त कैडर स्वयं सहायता समूह के सदस्य ने भाग लिया। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी हरिओम मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा समस्त महिलाओ को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए मिशन के द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण करवाया जा रहा है जिससे समस्त दीदी प्रति वर्ष कमसे कम 1 लाख रूपए कमा सके। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्लॉक मिशन मेनेजर संतोष कुमार ने बताया कि आजीविका बढ़ाने हेतु डिटर्जेंट पाउडर, झाड़ू, सिलाई कढ़ाई, बुके बनाने सहित कई प्रकार का प्रशिक्षण होता है जिसमें सभी दीदी बढ़ चढकर हिस्सा लें और अपने आय को बढ़ाए जिससे सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सफल हो सके। इस कार्यक्रम में सुनीत कुमार शुक्ला, शैलेंद्र वर्मा ब्लॉक मिशन मेनेजर सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

सड़क चौड़ीकरण के लिए गिराया गया अवैध निर्माण

- तहसील की दीवार और सदर थाने के गेट को भी गिराया गया

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर में खजुरिया रोड के चौड़ीकरण के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान, अधिकांश लोगों ने स्वेच्छा से अपने अवैध निमार्णों को हटा लिया, लेकिन यह अभियान खास बन गया जब तहसील नौगढ़ और कोतवाली सिद्धार्थनगर के कुछ हिस्से भी अवैध अतिक्रमण की जद में पाए गए। इन हिस्सों को हटाने के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस विभाग के अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों ने पहले तहसील की बाउंड्री वॉल को जेसीबी से गिरा दिया और फिर थाने की बाउंड्री वॉल और मुख्य गेट को भी बुलडोजर से हटाकर अतिक्रमण मुक्त कर दिया। इस अभियान के दौरान सड़क के किनारे दर्जनों मकान भी तोड़े गए। इस मामले पर एडीएम उमा शंकर सिंह ने बताया कि नगरपालिका के ईओ द्वारा कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद कुछ लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया।

जिसके कारण आज विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाकर थाने के गेट और बाउंड्री को भी हटाया गया।

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया चहेल्लुम

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। रुपईडीहा थाना क्षेत्र में सोमवार को विभिन्न गाँवो एवं कस्बो में चेहल्लुम पर्व शांति व सद्भाव के साथ मनाया गया। इस दौरान प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थलों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। चेहल्लुम पर अकीदतमंद अपने घरों में कुरानखानी व फातेहाखानी का आयोजन किया। बाबाकुट्टी कस्बा स्तिथ कर्बला पर अकीदतमंदो ने पहुंचकर हजरत इमाम हुसैन को याद करते हुए इबादत की, जो देर रात तक चलता रहा। समाजसेवी फतेह आलम खान ने जानकारी देते हुए बताया कि मैदाने कर्बला में शहीद हुए इमाम हुसैन व उनके 71 अनुयायियों की शहादत के 40दिन बाद चेहल्लुम मनाया जाता है। उन्होंने न्याय, सत्य और समानता के लिए अपना बलिदान दिया था।इस मौके पर एसएचओ रूपईडीहा शमशेर बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक रामगोविन्द वर्मा, अमरनाथ मौर्य, आरक्षी नरेंद्र गुप्ता, गोविन्द यादव, अमित पाण्डेय, भरत यादव आदि उपस्थिति रहे।

रवि काना को बांदा जेल में शिफ्ट किया गया

- महिला दोस्त के साथ थाईलैंड से गिरफ्तार किया गया था, 200 करोड़ की संपत्ति जब्त

अमन लेखनी समाचार

बांदा, जानकारी के अनुसार स्टील व स्क्रैप माफिया रवि काना को बांदा जेल में रविवार सुबह शिफ्ट किया गया है। जिसके बाद बांदा जिलाधिकारी ने जेल जाकर जेल का निरीक्षण किया। स्क्रैप माफिया रवि काना और उसकी महिला साथी काजल झा को थाईलैंड से गिरफ्तार किया गया था। महिला साथी काजल झा जमानत पर बाहर है। रवि काना पर 30 दिसंबर 2023 को सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया था। उस पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद ही रवि काना अपने सहयोगी के साथ विदेश भाग गया था। पुलिस ने अब तक रवि काना की दो सौ करोड़ से अधिक की सम्पत्ति को जब्त कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने दो सौ से अधिक वाहनों को जब्त किया है। गिरफ्तारी के बाद नोएडा पुलिस के द्वारा रिमांड पर लिए जाने के दौरान रवि काना ने अपनी जान को खतरा बताया था। माना जा रहा है की सुरक्षा के चलते उसे बांदा जेल शिफ्ट करने का फैसला लिया गया था। जिसके बाद उसे रविवार सुबह लगभग 4 से 5 बजे के बीच बांदा जेल में शिफ्ट किया गया है।

जिसके बाद सुबह बांदा जिलाधिकारी नागेंद्र प्रताप ने बांदा जेल का निरीक्षण किया है।

परिषदीय विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। विकासखंड नवाबगंज के सरकारी स्कूलों में धूमधाम से श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाया गया। अध्ययनरत छात्रों ने चित्रकारी, रंगोली, राधा-कृष्ण वेशभूषा एवं जन्माष्टमी की झांकी जैसे विविध प्रतियोगिता आयोजित किए गए। इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए टॉफी, बिस्किट एवं चॉकलेट के साथ कापी, पेंसिल, रबर, कटर बांटे व उपहार भेंट किए गए। मिली जानकारी मे अनुसार प्राथमिक विद्यालय दुगार्पुर के छात्रों ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी की अलौकिक झांकी का निर्माण कर सभी का मनमोह लिया।इस अवसर पर शिक्षक सत्यभानु एवं पवन गुप्ता ने छात्रों को श्री कृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने श्री कृष्ण के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए बच्चों को प्रेरित किया।साथ ही कहा कि प्रतिभा निखारने के लिए ऐसे आयोजन समय-समय पर किए जाते है।

सदर विधायक व ब्लाक प्रमुख ने गणेश सेवा समिति कार्यालय का किया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार/उमेश दीक्षित

भरुआ, सुमेरपुर। नगर पंचायत कार्यालय के ठीक बगल में शाम को सदर विधायक ने ब्लॉक प्रमुख के साथ मिलकर गणेश सेवा समिति के कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। गणेश सेवा समिति पिछले दो दशकों से ज्यादा समय से गणेश उत्सव मनाती आ रही है।गणेश सेवा समिति सुमेरपुर कस्बे में नगर पंचायत के समीप पिछले दो दशकों से ज्यादा समय से गणेश उत्सव का आयोजन करती आ रही है। इस वर्ष यह आयोजन 7 सितंबर से होना है। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए समिति ने नगर पंचायत कार्यालय के समीप कार्यालय का संचालन किया है। मंगलवार को देर शाम सदर विधायक डा. मनोज कुमार प्रजापति ने ब्लॉक प्रमुख जयनरायन सिंह यादव के साथ कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू, समिति के अध्यक्ष बाबू सोनी, अनुज गुप्ता, कृष्णा गुप्ता, रामजी मिश्रा, लकी मिश्रा, गंगा सोनी, सोनू तिवारी, भार्गव मिश्रा, आदित्य तिवारी, अशोक गुप्ता, अमर ओमर, अभिषेक ओमर, धीरू यादव, शिवनारायण धुरिया, गुड्डू गुप्ता, बाल गोपाल गुप्ता, श्यामलाल गुप्ता, संजय ओमर, राजू सोनी, लाला शिवहरे, शुभम शिवहरे सहित अरविन्द श्रीवास्तव, देवेन्द्र सिंह दीनू आदि लोग मौजूद रहे।

दूध से भरा टैंकर हाईवे पर ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराया

- हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत, टैंकर चालक और क्लीनर घायल

अमन लेखनी समाचार

हापुड़, हापुड़ के थाना हाफिजपुर क्षेत्र में बुलंदशहर रोड रोड पर रघुनाथ कोल्डस्टोरेज के पास सीमेंट से भरी ट्रैक्टर ट्राली में दूध से भरे टैंकर की भिड़त हो गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि टैंकर के चालक और क्लीनर घायल हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रात को बुलंदशहर की ओर से एक सीमेंट से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली हापुड़ आ रही थी। जैसे ही ट्रैक्टर ट्राली रघुनाथ कोल्ड स्टोरेज के पास पहुंची तो पीछे से आ रहे दूध से भरे टैंकर से भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहन पलट गए। दुर्घटना से मौके पर अफरा तफरी मच गई। हाफिजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। ट्रैक्टर चालक मायापुरी थाना गजरौला जनपद अमरोहा निवासी जाफर को मेरठ के एक अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कैंटर सवार चालक मेरठ निवासी नरेश कुमार और गांव गोविंदपुर थाना किठौर निवासी क्लीनर शिवम को गंभीर चोट नहीं आई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिद्धार्थनगर में टीकाकरण सत्र का आयोजन

प्रसव न कराने पर कार्रवाई की चेतावनी, आशा बहुओं के कार्यों का सत्यापन किया

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर जिले के भनवापुर ब्लॉक क्षेत्र के पटखौली माफी में आयोजित संपूर्णता अभियान के तहत वीएचएसएनडी टीकाकरण सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित न कराने वाली आशा बहुओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान मौके पर एएनएम पूनम यादव और आशा संध्या उपस्थित मिलीं। वीएचएसएनडी सत्र में एएनएम द्वारा कुल 7 गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण किया गया और उनकी प्रसव पूर्व जांच की गई। इसके अलावा, 12 बच्चों को निःशुल्क टीकाकरण की सुविधा प्रदान की गई। इस मौके पर अधीक्षक डॉ. ओझा ने शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव पर जोर देते हुए आशा बहुओं को चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आशा बहुओं को ग्राम सर्वेक्षण, योग्य दंपति के घरों का भ्रमण, गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण और बच्चों के टीकाकरण को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। एचईओ राजीव त्रिपाठी और बीसीपीएम मेराज अहमद ने आशा बहुओं के कार्यों का सत्यापन किया

अमरोहा में दिनदहाड़े महिला के अपहरण की कोशिश

- कई दिनों से आरोपी महिला को भेज रहा था अश्लील मैसेज

अमन लेखनी समाचार

अमरोहा, अमरोहा के गजरौला इलाके में दिनदहाड़े महिला के अपहरण की कोशिश की गई। हालांकि आसपास दुकानें और भीड़भाड़ के चलते आरोपी महिला का अपहरण नहीं कर सका। महिला के शोर मचाने पर भीड़ इकट्ठा हो गई, जहां आरोपी मौके से भाग निकला। फिलहाल पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामला गजरौला कोतवाली इलाके में रमाबाई डिग्री कॉलेज के सामने का है। बीते शनिवार दोपहर को यहां एक महिला खड़ी थी, तभी बाइक पर सवार एक युवक वहां पहुंचा और महिला के साथ अभद्रता करते हुए बाइक पर जबरदस्ती बैठाने लगा। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी भाग निकला। महिला के मुताबिक वह रजबपुर थाना इलाके के एक गांव की रहने वाली है। उसके मोबाइल पर बीते कुछ दिनों से गजरौला का रहने वाला एक संजय चौधरी नामक युवक अश्लील मैसेज भेज रहा था। इतना ही नहीं एक दिन पहले गजरौला आने की बात कही थी, साथ ही नहीं आने पर जान से मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद महिला गजरौला आ गई। जहां आरोपी ने महिला के साथ अभद्रता करते हुए जबरदस्ती बाइक पर बैठाने की कोशिश की, लेकिन महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर आ गए। जहां युवक भाग निकला।

संक्षेप

सोनभद्र पुलिस ने चलाया सशक्तिकरण अभियान

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

सोनभद्र, सोनभद्र में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को प्रोत्साहित करने के लिए 'मिशन शक्ति' के तहत एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत सभी थानों में कम्युनिटी पुलिसिंग और महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित किए गए।इस दौरान क्षेत्र में भ्रमण कर जन चौपाल आयोजित की गई। जहां बालिकाओं और महिलाओं को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को यूपी पुलिस द्वारा प्रदान की जा रही। विभिन्न सुरक्षा सेवाओं की जानकारी दी गई।इनमें वुमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस सेवा-108, और संबंधित सीयूजी नंबर शामिल हैं। महिला पुलिस टीम ने बालिकाओं को बताया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में वे निर्भीक होकर संबंधित थाना, शक्ति दीदी स्क्वॉड या यूपी पुलिस द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल कर सकती हैं। इसके अलावा, महिलाओं और बालिकाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाया गया। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनकर निर्भीकता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

2 करोड़ का फर्जी भुगतान, 3 कर्मचारी आरोपी

जौनपुर में सीडीओ की जांच में कई खामियां आई थीं सामने

जौनपुर, जौनपुर की एक तहसील में बड़ा घोटाला सामने आया है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मंडल ने देर शाम प्राविधिक भूमि भू एवं राजस्व कार्यालय (एनएचएआई) का निरीक्षण किया था, जिसमें कई खामियां उजागर हुईं।इस दौरान जिलाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आउटसोर्सिंग के दो कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी, वहीं एक अन्य को कलेक्ट्रेट परिसर में तैनात कर दिया गया। इस अचानक की गई कार्रवाई से तहसील परिसर में हड़कंप मच गया।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, यदि किसी कार्यालय में भ्रष्टाचार या अवैध गतिविधियों के साक्ष्य मिलते हैं, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को कुछ संदिग्ध पत्रावलियां मिलीं, जो नियमों के विपरीत तहसील में तैयार की गई थीं।

प्रारंभिक जांच में तीन कर्मचारियों को दोषी पाया गया। जांच पड़ताल के दौरान दस ग्राम पंचायतों की 15 से 20 फाइलें संदिग्ध पाई गईं।इसमें अब तक करीब 2 करोड़ रुपये का फर्जी भुगतान सामने आया है।

आईजीएल परिसर में निशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र स्थित के इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड एसके शुक्ल के मार्गदर्शन एवं प्लांट हेड शैलेंद्र पाण्डेय के नेतृत्व में दंत चिकित्सा एवं महिला एवं जनरल चिकित्सा शिविर का आयोजन ईएसआईसी सहजनवा की डॉ पदमा राव एवं पूर्वांचल इंस्टिट्यूट ऑफ डेन्टल साइंस के डॉ आशीष कुमार मल्ल, गोरखपुर के सहयोग से हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ बतौर मुख्य अतिथि डॉ पदमा राव और सः मुख्य अतिथि डॉ आशीष कुमार मल्ल तथा विशिष्ट अथिति डॉ नितिन कुमार चौधरी एवं डॉ रचना मल्ल के साथ संयुक्त रूप से बिजनेस हेड एसके शुक्ल एवं प्लांट हेड शैलेंद्र पाण्डेय के द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक महा प्रबन्धक मानव संशाधन एवं प्रशासन दशरथ मिश्र ने किया। अतिथियों का स्वागत डॉ कमलेश कुमार सिंह ने किया।इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 206 लोगो का दाँत एवं महिला चिकित्सा एवं जनरल चिकित्सा का परीक्षण कर दवा वितरित किया गया। शिविर का संचालन डॉ. कमलेश सिंह ने किया। चिकित्सा शिविर में आने वाले रोगियों के लिए समुचित व्यवस्था सहायक जूनियर ऑफिसर शब्बीर अहमद ने किया। बिजनेस हेड एसके शुक्ल ने बताया की स्वस्थ कार्यस्थल बनाने के लिए सबसे पहले आपको अपने शरीर को स्वस्थ बनाना होगा, जिसके लिए आईजीएल द्वारा निरन्तर चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया जाता है और शिविर का लाभ लेकर अपने को स्वस्थ बनाये। अखिलेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों के प्रति आभार जताया। उक्त कार्यक्रम में आईजीएल से आशीष सिंह, आनन्द सिंह, एवं ईएसआईसी सहजनवा तथा पूर्वांचल इंस्टिट्यूट ऑफ डेन्टल साइंस की टीम के साथ साथ आईजीएल के अन्य कर्मयोगी उपस्थित रहें।

सड़क के किनारे बना रेनकट दुर्घटना को दे रहा दावत

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिसई पुल के पास सड़क के किनारे बना खतरनाक रेनकट बड़ी दुर्घटना को दावत दे रहा है। विभाग के जिम्मेदार सूचना पर भी मौन साधे हुए हैं। विभागीय रवैये को लेकर लोगों में काफी नाराजगी है। बताते चलें कि- 15 किलोमीटर दूरी तय करने वाली तिलौरा-सिसई रोड दर्जनों गावों को एक साथ जोड़ने का कार्य करती है। सिसई, बेलौली, घुरपाली, भक्सा, करतहरी, मटियारी से काफी संख्या में लोगों का आना-जाना लगा रहता है। रात के समय यह रेनकट जानलेवा बन जाता है। लोगों का कहना है कि किसी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय ग्रामीण- अश्वस्थामा, गजेंद्र सिंह, सतीश, कुंभकरण, मुन्ना ,संतलाल, मोतीलाल, श्रीराम, शिव ने विभाग से शीघ्र सड़क मरम्मत की मांग की है।

आंगनबाड़ी कर्यकत्रियों ने संविदा एजुकेटर की नियुक्ति का किया विरोध

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली ब्लाक में आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों ने ब्लॉक अध्यक्ष नीलम सिंह की अध्यक्षता में बाल विकास परियोजना मुख्यालय पर काली पट्टी बांधकर सरकार द्वारा एजुकेटर संविदा भर्ती का काली पट्टी बांधकर विरोध किया। सरकार से पुनः बिचार करने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए-नीलम सिंह ने कहा कि- 75 जनपदों में कुल 10684 विद्यालयों के परिसर में स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रतिकेंद्र इसीसीइ एजुकेटर संविदा आउटसोर्सिंग के माध्यम से 10313 रुपया प्रतिमा के पर 11 माह के लिए रखे जाने के लिए पू सरकार का दिशा निर्देश पूरी तरह निराधार है। इसी कार्य के लिए हम आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां वर्षों से इसीसीइ एजुकेशनल के साथ विभागीय अन्य योजनाओं के अतिरिक्त सरकार द्वारा चलाई जाने वाले विभिन्न योजनाओं को आम जनमानस तक पहचाने का कार्य करती हैं । हमे मात्र 6000 प्रति माह मानदेय दिया जाता है। यह कहाँ का इंसाफ है। हम बहनें आगामी 29 अगस्त को रानी लक्ष्मी बाई पार्क गोरखपुर जाकर एक सभा करेंगी और जिला अधिकारी महोदय को ज्ञापन देकर अपनी समस्याओं से अवगत कराऊंगी। बैठक में नीलम सिंह, मीरा राय, साधना, रामवती देवी, शशि, इंद्रावती देवी, शीला सिंह, जानकी सिंह, शशि कला, सीमा त्रिपाठी, उषा सिंह सहित भारी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित थीं।

फिर विश्व की नंबर वन पार्टी बनेगी बीजेपी:युधिष्ठिर सिंह

अमन लेखनी समाचार

सहजनवा, गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी मण्डल सहजनवा की सदस्यता अभियान की कार्यशाला सहजनवा मे सम्पन्न हुई, जहाँ बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने कहा कि भाजपा एकबार फिर विश्व की नंबर वन पार्टी बनेगी। एक सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदस्यता अभियान का शुभारंभ करेंगे। एकबार फिर कार्यकर्ता सदस्यता अभियान को सफल बनाते हुए प्रत्येक बूथों पर कम से कम दो सौ सदस्य बनाने का लक्ष्य पूरा करेंगे।उन्होंने सदस्य बनाने के विभिन्न तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष नरेंद्र शुक्ला व संचालन सूर्यनाथ विश्वकर्मा ने किया। कार्यशाला में पूर्व विधायक जीएम सिंह, जिपंस संजय शुक्ला, मनोज गुप्ता, अटल सिंह, जिला महामंत्री डा आर डी सिंह, वरिष्ठ नेता राम प्रकाश यादव, ब्रह्मनंद शुक्ला, मनोज सिंह, मदन मुरारी गुप्ता, अभिमन्यु मौर्य, राम उजागिर शुक्ल, विनोद शर्मा, गोपाल गुप्ता, लाल जी यादव, मन्जू त्रिपाठी, कंचन कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सतगुरु के बिना सच्चे ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं: सतीश चंद

गुरु बिन भव विधि तरै न कोई,जो विरंचि शंकर सम हाई

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र स्थित के मंगलवार को बोक्टा में जयगुरूदेव धर्म संस्था द्वारा मंगलवार को सहजनवा क्षेत्र के बोकटा में एक विशाल सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। सत्संग में बतौर मुख्य अतिथि जयगुरुदेव संगत के राष्ट्रीय उपदेशक सतीश चंद ने कहा कि यह मानव शरीर परमात्मा का बनाया हुआ चेतन मंदिर है।इस संसार में यह किराए का मकान लेकर रहने आता है।समय पूरा होने के बाद इसे खाली करना पड़ता है। इसके बाद दुनिया के सारे धन, दौलत से भी इसकी पूजा की जाए तो यह फिर से मानव शरीर वापस नहीं आ सकता है। आगे कहा कि मानव को भौतिक और आत्मिक सुख, शांति के लिये सत्संग सुनना चाहिए।चरित्र के अभाव में मनुष्य की कोई कीमत नहीं होती है। अब मानव को मानव धर्म को अपनाने की जरूरत है। अच्छे समाज के निर्माण में योगदान दें। आगे कहा कि जैसा खावे अन्न, वैसा होवे मन। यदि आप तामसी भोजन करेंगे तो आप प्रभु को कभी भी प्राप्त नहीं कर सकेंगे। प्रभु जब भी मिलेंगे इसी मनुष्य शरीर में मिलेंगे। सत्संग में उपस्थित लोगों से शाकाहार सदाचार अपनाने और बुद्धिनाशक नशीले पदार्थो को छोड़ने की अपील की गई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सुरेश चन्द श्रीवास्तव, नरेंद्र कुमार उर्फ नंदू, राहुल पांडेय, इंद्रजीत पांडेय, सुरेंद्र शुक्ला, संजीवन पांडेय, विजय मोहन, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पीपीगंज नगर पंचायत में 4 करोड़ के घोटाले का मामला, सभासद ने लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर।पीपीगंज नगर पंचायत के नगर अध्यक्ष लक्ष्मण विश्वकर्मा पर सभासद रामानंद दाढ़ी वाले ने सरकारी 4 करोड़ से ऊपर की रकम को निकाल अपने ही कई रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर सभी खातों पर रोक लगाने व जांच करवाने का मांग किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीपीगंज कस्बे के वार्ड संख्या 2 हनुमत नगर के सभासद रामानंद दाढ़ी वाले ने जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश को प्रार्थना पत्र देकर नगर अध्यक्ष लक्ष्मण विश्वकर्मा पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने एक रिश्तेदार के फर्म शिव शक्ति एसोसिएट्स को लगभग 4 करोड़ रुपए से अधिक का फर्जी भुगतान कर सरकारी धन का दुर्पयोग किया है। साथ सभासद ने आरोप लगाया है कि शिव शक्ति एसोसिएट फर्म को भुगतान कराने के पश्चात ही उसी फर्म के माध्यम से अपने सगे भतीजे (सूर्यांश ट्रांसपोर्ट), सगा साला (आर.आर.एग्रो एडिबल्स), सगे भाई (श्री राम) के फर्म पर लगभग 4 करोड़ से ज्यादा रुपए का भुगतान कर दिया।जिसके बाद सभासद ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर जांच कर कड़ी कार्यवाही की मांग किया है।

सपा नेता के निमार्णाधीन माल में प्रशासन का चला बुलडोजर

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद फतेहपुर में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है।शहर के बाकरगंज चमड़ा मंडी स्थित निमार्णाधीन शॉपिंग मॉल पर मंगलवार सुबह करीब आठ बजे बुलडोजर पहुंचा। पहले से पुलिस फोर्स और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। निमार्णाधीन शॉपिंग मॉल का मामला करीब चार साल पहले गैंगस्टर के तहत सपा नेता हाजी रजा पर कार्रवाई किए जाने के दौरान सामने आया था। पूर्व भाजपा विधायक विक्रम सिंह की ओर से शिकायत की गई थी। मॉल का आंशिक हिस्सा सुरक्षित जमीन पर बना है। इसके अलावा मानकों को ताक पर रखकर निर्माण किया गया है। हालांकि उस समय मॉल पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी थी। जांच प्रशासन कर रहा था। इधर, लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद कार्यक्रम दौरान सांसद नरेश उत्तम पटेल की मौजूदगी में दो माह पहले सपा नेता हाजी रजा ने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की। इसके बाद से मामला फिर गरमाया है। जिले के कई नेताओं ने हाजी रजा और उसके साथियों की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री से शिकायत की थी। इसके बाद बुलडोजर की कार्रवाई मानी जा रही है। हालांकि बिल्डिंग रजा के परिवार के सदस्यों व करीबी पार्टनर के नाम होना बताया जा रहा है। मामले में पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही हाजी रजा के विरुद्ध विभिन्न थानों में 23 मुकदमे दर्ज हैं। जिन पर हिस्ट्रीशीटर का भी मुकदमा दर्ज हैं।

मानक के विपरीत बनाए जा रहे ट्रैक एंड फील्ड का खिलाड़ियों का विरोध

400 मीटर की जगह 300 मीटर कराया जा निर्माण

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। ग्रामीण अंचल की प्रतिभा को निखारने के लिए सरकार द्वारा मिनी स्टेडियम से लेकर बड़े स्तर के स्टेडियम का निर्माण करा रही है। जिसके लिए मानक भी निर्धारित कर रखा है। लेकिन कार्यदाई संस्था के लोग खानापूर्ति कर कार्य को इतिश्री करने में लगे हुए है। जिसका क्षेत्र के खिलाड़ी विरोध भी कर रहे है। ऐसा ही मामला भोलाराम मस्करा इंटर कालेज सहजनवा गहासाड मैदान में निर्माण में निर्माण हो रहे स्टेडियम में देखने को मिल रहा है। यहां मानक के विपरीत बनाए जा रहे ट्रैक एंड फील्ड को लेकर विरोध शुरू हो गया है।ट्रैक एंड फील्ड की लंबाई 400 मीटर होनी चाहिए लेकिन कार्यदाई संस्था 300 मीटर लम्बा निर्माण करा रही है। जिसका क्षेत्र के खिलाड़ियों ने विरोध करना शुरू कर दिया। एक फौजी ने बताया की जो ट्रैक एंड फील्ड का निर्माण कराया जा रहा है। वह मानक के विपरीत है। 300 मीटर का ट्रैक एंड फील्ड नियम में है ही नही।

मुकदमा सुलह करने से इंकार करने युवक को पीटा

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के जोन्हिया रोड पर पुरानी रंजिश व मुकदमा में समझौता को लेकर मनबढों ने मंगलवार को एक युवक को पीट दिया। साथ ही जाति सूचक गाली दी। पीड़ित ने तहरीर दी है।गगहा थाना क्षेत्र के कौवाडीह निवासी अभिषेक कन्नौजिया ने बताया कि भीटी रावत में एक दुकान पर काम करते है। सुबह गांव के चार लोग आए और पुरानी रंजिश व चल रहे मुकदमा में समझौता करने का दबाव बनाने लगे। मना करने पर जाति सूचक गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे व राड से मारकर सिर फोड़ दिया और शोर मचाने पर फरार हो गए। एसओ विशाल उपाध्याय ने कहा कि तहरीर की जांच हो रही है।

एंटी लार्वा के छिड़काव के साथ बांटे गए ब्लिचिंग पाउडर

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। पिपरौली कस्बा पिपरौली बाजार के पूरब मोहल्ले के धरमौली मोहल्ले में डायरिया प्रभावित क्षेत्र में एडीओ पंचायत अरविंद कुमार सिंह के निर्देश पर ब्लॉक प्रशासन के तरफ से सफाई कर्मियों की एक टीम भेज कर डायरिया प्रभावित क्षेत्र में एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया तथा पिपरौली सीएचसी के निर्देश पर आशा बहू ने घर-घर ब्लिचिंग पाउडर बांटी।बताते चलें कि कस्बा पिपरौली बाजार के धरमौली मोहल्ले में डायरिया अपना पैर पसार चुका है। जिसकी वजह से 5 लोग बीमार हैं जिसमें तीन की हालत गंभीर है उनका जिला चिकित्सालय गोरखपुर में इलाज चल रहा है। सोमवार को पिपरौली सीएचसी की तरफ से डायरिया प्रभावित क्षेत्र में दवाओं का वितरण किया गया था तथा आज ब्लाक प्रशासन के निर्देश पर साफ सफाई और स्वच्छता के लिए एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया और स्वास्थ्य विभाग कि तरफ से ब्लिचिंग

पाउडर बांटे गये। इस अवसर पर अमीत सिंह, गोविंद, राजेश, अविनाश सिंह, जयसिंह , विजयलक्ष्मी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्याय पंचायत के प्रधानाध्यापकों की बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर।जनपद में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी फतेहपुर के निदेर्शानुसार एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मलवा के नेतृत्व एवं अनुमति से न्याय पंचायत औंग एवं मौहार के सभी प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयो के प्रधानाध्यापक/ इंचार्ज की बैठक उच्च प्राथमिक विद्यालय औंग में नोडल शिक्षिका सुषमा मिश्रा एवं विपिन पटेल के सहयोग से सम्पन्न हुयी जिसमे इन दोनों न्याय पंचायत के प्रभारी एकेडमिक रिसोर्स परसन डॉ0 सुनील कुमार तिवारी ने निपुण स्कूल बनाने की ठोस कार्य योजना की मॉनिटरिंग किया एवं इसके प्रति समझ विकसित कियो बच्चो कों निपुण बनाने हेतु मैपिंग रजिस्टर का निर्माण करायो यह भी अवगत कराया कि प्रत्येक शिक्षक के पास प्रत्येक बच्चे की प्रोफाइल भी होनी चाहिए संदर्शिका का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया गयो प्रत्येक शिक्षक कों निपुण लक्ष्य ऐप से कम से कम 5 बच्चो का नियमित लगातार असिसमेंट करना है शिक्षक डायरी का प्रयोग एवं पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया गयो लगातार बच्चो की उपस्थित बढ़ाने हेतु कॉलिंग रजिस्टर भी बनवायो निपुण तालिका का उपयोग, कक्षा शिक्षण में पीयर लर्निंग के लाभ पर प्रकाश डाला गया समय चक्र विभाजन भी कराया गयो मंगलवार को औंग न्याय पंचायत के कुल 23 के सापेक्ष 22 स्कूलों एवं न्याय पंचायत मौहार के 11 स्कूलों के सापेक्ष 10 स्कूल उपस्थित रहे जिनकी समीक्षा की गयी उपरोक्त सभी स्कूलों में निपुण कार्य योजना, मैपिंग रजिस्टर, कॉलिंग रजिस्टर बनवा कर लगातार अपडेट करने हेतु प्रेरित किया गयो अंत में नोडल शिक्षक संकुल सुषमा मिश्रा, विपिन पटेल द्वारा सभी कों धन्यवाद ज्ञापित किया गया

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर झांकियो से सुसज्जित हुए मंदिर

राधे राधे कृष्णा कृष्णा मय हुआ सम्पूर्ण परिवेश।

अमन लेखनी समाचार/निर्मित द्विवेदी

बिंदकी, फतेहपुर, नपद फतेहपुर में अलग अलग स्थानों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर सुबह से ही भक्त कृष्णमय भक्ति में लीन होकर तैयारियों में जुटा है जनपद ही नहीं सम्पूर्ण हिंदू राष्ट्रों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी की तैयारी जोरों शोरों पर चल रहीं है श्री कृष्ण ने अपनी लीलाओं से लोगो को कैसे जीना है महाभारत में श्री कृष्ण अर्जुन के सारथी बनकर जो गीता का उपदेश दिया जिसे ने सिर्फ भारत अपितु सम्पूर्ण राष्ट्र श्री मद भगवत गीता के नाम से जाना जाता है वही भगवान श्री कृष्ण का जन्म भयंकर बारिश में हुआ न जाने कितनी मुसीबतों का सामना देवकी और वसुदेव ने किया इस सभी तथ्यों से सीखने को मिलता है की जब भगवान भयंकर कष्टों में अपना अवतरण लिया तो हम तो इंसान ही है भगवान श्री कृष्ण का जन्म कारागार में हुआ उधर मामा कंस वध करने को तैयार था तो उधर मूसलाधार बारिश अपना विकट रूप लिए थी लेकिन वह भगवान विष्णु के अवतरण ही ने जन्म लिया और अपनी लीला से सभी कारागारियो को अपने जन्म के समय भयंकर नींद में सुला दिया। भगवान कृष्ण का जन्म रात्रि 12 बजे हुआ तभी से सम्पूर्ण हिंदू राष्ट्र पूरे दिन उपवास रखकर रात्रि 12 बजे भगवान का अवतरण दिवस मानकर व्रत का समापन करता है वही छोटी काशी के रूप में प्रसिद्ध खजुहा कस्बे में स्थित राधा कृष्ण मंदिर ,बलदाऊ जी मंदिर , राम जानकी मंदिर में अदभुद झांकियां सजाई जा रही है भक्त कृष्ण जी की भक्ति में लीन होकर हरे राधे हरे कृष्ण का जाप कर रहे है। इस मौके पर गौरव सिंह ठाकुर ,अंकुर अग्निहोत्री ,राधेश्याम बाजपेई ,नयन सिंह, बृज बिहारी वाजपेई, अतुल दुबे ,शिवम बाजपेई सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे

हर्षोल्लास से मनाया गया कन्हैया का जन्मोत्सव

गौशालाओं समेत दुल्हन सी सजी थाना चौकी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के चारों ओर सभी क्षेत्रों में द्वापर युग के सनातन धर्म के कर्णधार भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत स्थानीय थाना चांदपुर में थाना प्रभारी राजेन्द्र सिंह एवं अमौली चौकी परिसर में चौकी प्रभारी संदीप कुमार तिवारी की अगुवाई में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया इस मौके पर समाजसेवी शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी रवी ओमर ग्राम प्रधान पति प्रकाश चन्द्र उर्फ.बंटू सोनकर समेत भारी संख्या में सम्भ्रान्त नागरिक मौजूद रहे वहीं खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे ने क्षेत्र की गौशाला मवई नसेनिया एवं बुढ़वा बृहद गौ संरक्षण केंद्र पहुंचकर रोली चंदन पुष्प माला से पूजन करते हुए गौवंशों को आच्छादित कर दिया मवई गांव में मौजूद 128 गोवंशों का पूजन किया गया जहां ग्राम प्रधान अनुज उर्फ धीरू सिंह ने खंड विकास अधिकारी के साथ मिलकर पूजन करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया इसी प्रकार बुढ़वा वृहद संरक्षण केंद्र में ग्राम प्रधान सनोज कुमार ने खंड विकास अधिकारी के साथ मिलकर 320 गोवंशों का वैदिक पूजन करते हुए गुड़ खिलाया वही क्षेत्र की नसेनिया गौशाला की देखभाल कर रही ग्राम प्रधान मीरा देवी विश्वकर्मा ने भी खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे के पहुंचने पर संयुक्त रूप से गाय माता का पूजन करते हुए 174 गोवंशों से आशीर्वाद प्राप्त किया इस मौके पर प्रधान पति नवल किशोर विश्वकर्मा पूर्व प्रधान अवधेश अवस्थी पशु चिकित्सक डॉ राहुल रविंद्र अवस्थी ओमप्रकाश तिवारी साधना मनीष उत्तम आदि मौजूद रहे वहीं खंड विकास अधिकारी ने गौशाला प्रांगण अंतर्गत अनेक गोपालक जैसे रमजान हसन सुरेश कुमार आदि को भी सम्मानित किया सभी सनातन धर्मावलंबियों ने एक दूसरे को पावन पर्व श्री कृष्ण जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी

रायबरेली में मालगाड़ी और इंजन की आमने-सामने भिड़ंत

लोको पायलट समेत 2 घायल, एनटी पी सी में कोयला उतारकर लौट रही थी

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली में मालगाड़ी और इंजन की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। दोनों एक ही ट्रैक पर आ गए। जब तक लोको पायलट ब्रेक लगाता तब तक इंजन और मालगाड़ी की टक्कर हो चुकी थी। घटना रायबरेली में एनटीपीसी पी सी के अंदर हुई। ऐसे में रेलवे लाइन पर कोई असर नहीं पड़ा है एन पी सी ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। पूरा मामला सोमवार शाम का है।

एनटीपीसी से कोयला उतारकर मालगाड़ी वापस जा रही थी, तभी सामने से अचानक इंजन ट्रैक पर आ गया। जब तक लोको पायलट ब्रेक लगाता, तब तक दोनों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मालगाड़ी और इंजन पटरी से उतर गए।हादसे में पायलट समेत 2 लोग गंभीर घायल हो गए।घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।घटना के बाद पूरे एरिया को सील कर दिया गया। सीआईसीएफ की टीम भी मौके पर पहुंची। हादसे के बाद रेलवे ट्रैक को ठीक किया जा रहा है

एनटी पी सी में बने कोल हैंडलिंग प्लांट में झारखंड से कोयला लेकर रविवार रात पहुंची। रात में ट्रेन से कोयला उतारा गया। सोमवार रात करीब 10 बजे मालगाड़ी वापसी के लिए रवाना हो गई।एनटीपीसी कैंपस में मालगाड़ी का इंजन पीछे लगा था, जिसे 4 किलोमीटर आगे अरखा रेलवे स्टेशन पर चेंज होना था।

200 मीटर दूर थी रेलवे की मेन लाइन

जिस जगह हादसा हुआ, वह रेलवे की मेन लाइन नहीं थी। हालांकि, वहां से महज 200 मीटर दूर ही रेलवे की मेन लाइन थी। ऐसे में हादसे के बाद अफरातफरी मच गई। रेलवे और

एनटीपीसी के सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे। जांच की। कहां से और कैसे गड़बड़ी हुई इसे लेकर पूछताछ भी की।

एनटीपीसी क्षेत्र को किया गया सील

पूरे क्षेत्र को सील करते हुए सीआईसीएफ के जवानों को तैनात कर दिया गया। किसी के भी आने पर रोक लगा दी गई है। हादसे में रेल इंजन और रेलवे ट्रैक को काफी नुकसान पहुंचा है।

परियोजना की जनसंपर्क अधिकारी कोमल शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। मौके पर टीम तैनात है। मरम्मत का काम चल रहा है। 4 बजे तक पूरी लाइन ठीक हो जाएगी। इससे एनटीपीसी के प्रोडक्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। किसी भी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई है।

पानी के बगैर रोटी, रोजगार,सेहत और आर्थिक समृद्धि सम्भव नही है

जल साक्षरता अभियान मे पर्यावरण को लेकर संगोष्ठी का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जल बिरादरी की ओर से चौमासे में बरसात की महत्ता के दृष्टिगत पांच दिवसीय जल साक्षरता अभियान के पहले दिन आसलदेव इंटर कालेज पीपरपुर में संवाद गोष्ठी का शुभारम्भ किया गया पत्रकार अरुण तिवारी ने कहा कि पानी की समृद्धि के बगैर रोटी, रोजगार,सेहत और आर्थिक समृद्धि सम्भव नही है। यदि हम ऐसी चौतरफा समृद्धि की सुरक्षा चाहते हैं तो यह जल सुरक्षा के बगैर सम्भव नही है।

अमेठी जल बिरादरी का यह साक्षरता अभियान है। पर्यावरणविद् देश के जाने-माने गांधीवादी पूर्व युवा निदेशक गांधी शांति प्रतिष्ठान रमेश चंद शर्मा ने कहा कि दुनिया में भारत की पहचान गंगा,गाय, गांव,गौतम और गांधी से है उत्तर काशी से पधारे पर्यावरणविद् सुरेश भाई ने कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई रुके पेड़ों पर राखी बांधने का अभियान चलाया जाना चाहिए।हमने उत्तर काशी में कोकाकोला को नही लगने दिया। जल साक्षरता अभियान के संयोजक डॉ अर्जुन पाण्डेय ने कहा कि चौमासे की बरसात का 20 प्रतिशत जल धरती के पेट में डालकर भूगर्भ जल स्तर को ऊपर उठाया जा सकता है। संवाद गोष्ठी में आये अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य डॉ लाल सिंह ने कहा कि हम अपने विद्यालय में जल साक्षरता इकाई गठित करेंगे।गोष्ठी को प्रबंधक रवीन्द्र प्रताप सिंह , डॉ अभिमन्यु पाण्डेय आदि ने भी सम्बोधित किया। संगोष्ठी का संचालन शिवभूषण उपाध्याय ने किया।

अमेठी में मौसम ने ली करवट: बारिश होने से लोगों को राहत

आसमान में काले बादल छाने से दिन में हुआ अंधेरा

अमन लेखनी समाचार

अमेठी में पिछले कई दिनों से हो रही उमस भरी गर्मी से आखिरकार लोगों को राहत मिल ही गई। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे अचानक मौसम ने करवट ले ली। बादलों की गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश शुरू हो है। बारिश से दिन में ही रात जैसा माहौल हो गया है। बारिश से जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है, तो किसानों की खेतों में लबालब पानी भी नजर आने लगा। फिलहाल दोपहर से लगातार हो रही बारिश से अंधेरा छा गया है। दिन में ही रात जैसा मौसम हो गया है।

दरअसल पिछले कई दिनों से अमेठी में उमस भरी तेज गर्मी से जनजीवन पूरी तरह से बेहाल हो चुका था। आज सुबह से आसमान में काले बादल छाए थे। लेकिन बारिश नही हो रही थी। दोपहर करीब बजे बजे अचानक आसमान में गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश होने लगी। बारिश से किसानों की खेतों के साथ तालाबों और गड्ढों में भी पानी नजर आने लगा।संभावना जताई जा रही अब बारिश तेज होगी, क्योंकि आसमान में काले बादल छाए हुए है। बारिश से सूखे की तरफ बढ़ रही अमेठी में एक बार फिर किसानों की उम्मीदों को जगा दिया है। फिलहाल लगातार हो रही बारिश से मौसम पूरी तरह से ठंडा हो गया है। दिन में ही रात जैसा मौसम हो गया है।

किसानों की फसलों के लिए वरदान

अमेठी में दोपहर से शुरू हुई तेज बारिश किसानों की फसलों के लिए वरदान बनकर बरस रही है। जो किसान पानी के लिए परेशान थे। उनकी खेतों में भी पानी आ गया है। जो किसान पानी के लिए वैकल्पिक साधनों की तलाश में थे। उनकी मोर्ड पूरी हो गई है और पानी उनकी खेतों में नजर आने लगा है।

दिसंबर में आयोजित होगा हमीरपुर महोत्सव

अमन लेखनी समाचार/उमेश दीक्षित

हमीरपुर। जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक का आयोजन जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी चन्द्रशेखर शुक्ला की उपस्थिति में डा. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से माह दिसंबर में हमीरपुर महोत्वव आयोजित किये जाने पर चर्चा की गयी। हमीरपुर महोत्सव की स्वीकृति हेतु पर्यटन निदेशालय प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश संबंधित को दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में चल रही पर्यटन परियोजनाओं की समीक्षा भी की गयी। जनपद में खण्डेह स्थित रामजानकी मंदिर, सुमेरपुर के देवगांव में स्थित माँ कामाख्या देवी मंदिर, राठ में मरही माता मंदिर, भुवनेश्वरी देवी मंदिर, पातालेश्वर मंदिर, मौदहा डैम पर पर्यटन विकास परियोजनायें संचालित है। उक्त परियोजनाओं की कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल, सीएण्ड डी एस एवं उत्तर प्रदेश पर्यटन राज्य निगम लखनऊ के उपस्थित इंजीनियर्स को जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि कार्य गुणवत्ता पूर्ण एवं समय से पूर्ण हों। जिलाधिकारी द्वारा वन विभाग को जनपद में ईको टूरिज्म के स्थलों को चिन्हित करनें के निर्देश दिये गये। इसके अलावा जनपद में नवीन पर्यटन परियोजनाओं पर भी चर्चा की गयी। बैठक में पर्यटन सूचना अधिकारी सचिव डा. चित्रगुप्त द्वारा जनपद में लोक देवता हरदौल उत्सव कराये जाने का प्रस्ताव रखा जिसमें सभी सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी। जिलाधिकारी द्वारा संस्कृति निदेशालय को हरदौल उत्सव कराये जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। शासन द्वारा नामित सदस्य ब्रजकिशोर गुप्ता एवं डा. उमाकांत राजपूत द्वारा जनपद में पर्यटन विकास हेतु विविध पर्यटन स्थलों पर चर्चा की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक नागेन्द्र नाथ यादव, अधिशाषी अभियंता पीडब्लूडी एमएल वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी जितेन्द्र मिश्रा सहित जनपद जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के सदस्य एवं अधिकारी मौजूद रहे।

17 लाख रुपए की स्वीकृति

सपा विधायक ने गंभीर रूप से बीमार 10 जरूरतमंदों को इलाज के लिए दिए फंड

विधायक राकेश प्रताप सिंह

मेरे विधानसभा क्षेत्र गौरीगंज के विभिन्न ग्रामसभाओं में
दिनांक 13-अगस्त से 21-अगस्त 2024 के मध्य मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी
के द्वारा मेरे विशेष आग्रह पर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष (चिकित्सकीय) से
इलाज हेतु निम्नलिखित राशि प्रदान करने पर क्षेत्र की जनता की तरफ से
मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार..!!

1. श्री राजेश गिरी जी ,नि0ग्राम पंचायत रौजा, ब्लॉक- गौरीगंज- 47500/-
2. पूनम जी, नि0 ग्राम पंचायत राधीपुर, बनवारीपुर, ब्लॉक- गौरीगंज- 50000/-
3. श्री अरविन्द सिंह जी, नि0 ग्राम पंचायत गाजनपुर दुवरिया, ब्लॉक- मुसाफिरखाना- 250000 /-
4. श्री हरिकेश कुमार मिश्रा जी, नि0 ग्राम पंचायत बरेहटी,, ब्लॉक- जामों- 350000/-
5. श्री आशीष कुमार जी, नि0 ग्राम पंचायत जामों, ब्लॉक- जामों - 250000 /-
6. श्री राज कुमार पाण्डेय जी, नि0 ग्राम पंचायत बाहापुर, ब्लॉक- गौरीगंज - 75000 /-
7. चाँद बाबू जी, नि0 ग्राम पंचायत गुवावां, ब्लॉक- गौरीगंज- 230000/-
8. श्रीमती किरण देवी जी, नि0ग्राम पंचायत पूरे चितई , ब्लॉक- जामों- 75000 /-
9. किताबुल निशा जी, नि0 ग्राम पंचायत तामामऊ , ब्लॉक- तिलोई - 115000/-
10. श्री द्वारिका प्रसाद गुप्ता जी, नि0 ग्राम पंचायत कसथूनी पश्चिम , ब्लॉक- मुसाफिरखाना - 250000/-

अमन लेखनी समाचार

अमेठी के गौरीगंज से सपा के बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह का प्रयास एक बार फिर रंग लाया है। विधायक के प्रयास से गंभीर रूप से बीमार 10 जरूरतमंदों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए करीब 17 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। स्वीकृति मिलने के बाद विधायक ने मुख्यमंत्री का आभार जताया है।गौरीगंज विधानसभा के अलग-अलग गांवों के 10 जरूरतमंदों के इलाज के लिए विधायक राकेश प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री ने इस पत्र को संज्ञान में लेकर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से धनराशि की स्वीकृति प्रदान की।

धनराशि प्राप्त करने वाले व्यक्ति

विधायक के प्रयास से निम्नलिखित लोगों को धनराशि स्वीकृत की गईः - रौजा गांव के राजेश गिरी को 47,500 रुपए - बनवारीपुर गांव की पूनम को 50,000 रुपए - मुसाफिरखाना ब्लाक के गाजनपुर दुवारिया गांव के अरविंद सिंह को 2,50,000 रुपए - जामो ब्लाक के बरेहटी गांव के हरिकेश को 3,50,000 रुपए - जामो के आशीष कुमार को 2,50,000 रुपए - गौरीगंज ब्लाक के बहादुर गांव के राजकुमार पांडेय को 75,000 रुपए - गुवावा गांव के चांद बाबू को 2,30,000 रुपए - जामो ब्लाक के पूरे चितइ की किरण देवी को 75,000 रुपए - तिलोई ब्लाक के तामामऊ गांव की किताबुल निशा को 1,15,000 रुपए - मुसाफिरखाना के कसथूनी पश्चिम गांव के द्वारिका प्रसाद को 2,50,000 रुपए विधायक राकेश प्रताप सिंह के इस प्रयास से जरूरतमंदों को बड़ी राहत मिली है, और इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया है।

चिकित्सा उपकेन्द्र कोटवा का राज्य मंत्री द्वारा किया गया उद्घघाटन

अमन लेखनी समाचार

अमेठी स्वास्थ्य राज्य मंत्री उ0प्र0 सरकार मयंकेश्वर शरण सिंह द्वारा चिकित्सा उपकेन्द्र कोटवा विकासखण्ड सिंहपुर का फीता काटकर उद्घाटन किया गया । चिकित्सा उपकेन्द्र के शुभारम्भ होने से स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सीय सेवाओं का लाभ मिलेगा इस दौरान जिलाधिकारी अमेठी, पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी व अन्य अधि0/कर्म0गण एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे ।

हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की, श्री कृष्ण की झांकियां सजीं

जिपं अध्यक्ष ने माला पहनाकर लिया आशीर्वाद

डीएम ने गायों की पूजा करके गुड़ खिलाया:

अमन लेखनी समाचार

अमेठी की डीएम निशा अनंत और जिला पंचायत अध्यक्ष अग्रहरि गौशाला पहुंचे, वहां विधि-विधान से पूजन किया। अमेठी जिले में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव आज बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। गांवों से लेकर शहरों तक श्रीकृष्ण की बाल लीला की झांकियां सजाई गई हैं और इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर, अमेठी की डीएम निशा अनंत और जिला पंचायत अध्यक्ष अग्रहरि त्रिलोकपुर गांव स्थित गौशाला पहुंचे। उन्होंने वहां विधि-विधान से पूजा अर्चना की और गायों को गुड़ खिलाकर उन्हें माला पहनाई। इसके साथ ही गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने भी गौशाला का भ्रमण किया और गायों के साथ समय बिताया।पूजा अर्चना के दौरान ग्राम प्रधान और कई अधिकारी भी उपस्थित रहे। पूरे जिले में इस पर्व को लेकर व्यापक तैयारी की गई है। पुलिस थानों पर आकर्षक लाइटिंग की गई है और जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिले के विभिन्न राधा कृष्ण मंदिरों के अलावा सभी छोटे-बड़े मंदिरों में जन्माष्टमी के पर्व को उत्सव के रूप में मनाया गया है।अमेठी की डीएम निशा अनंत और जिला पंचायत अध्यक्ष अग्रहरि गौशाला पहुंचे, वहां विधि-विधान से पूजन किया।

अमेठी की डीएम निशा अनंत और जिला पंचायत अध्यक्ष अग्रहरि गौशाला पहुंचे, वहां विधि-विधान से पूजन किया।

अमेठी की डीएम निशा अनंत और जिला पंचायत अध्यक्ष अग्रहरि गौशाला पहुंचे, वहां विधि-विधान से पूजन किया।

अमेठी की डीएम निशा अनंत और जिला पंचायत अध्यक्ष अग्रहरि गौशाला पहुंचे, वहां विधि-विधान से पूजन किया।

अमेठी की डीएम निशा अनंत और जिला पंचायत अध्यक्ष अग्रहरि गौशाला पहुंचे, वहां विधि-विधान से पूजन किया।

अमेठी की डीएम निशा अनंत और जिला पंचायत अध्यक्ष अग्रहरि गौशाला पहुंचे, वहां विधि-विधान से पूजन किया।

बंटवारे को लेकर जेठ ने बहू को पीटा

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। पुश्तैनी मकान के बंटवारे को लेकर इंगोहटा में जेठ ने अपने पुत्रों के साथ मिलकर बहू को पीटकर लहुलुहान कर दिया। बहू ने मुकदमा दर्ज कराया है। इंगोहटा निवासी कुंती ने आरोप लगाया कि उसके रिहायशी मकान के बंटवारे को लेकर जेठ से विवाद है। गत दिनों जेठ रामरूप ने अपने पुत्र संतोष व राजकुमार के साथ मिलकर गाली गलौज करके मारा पीटा। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मारपीट व गाली गलौज का मुकदमा दर्ज किया है।

अधेड़ को रास्ते में रोककर पीटा

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। रास्ते में घात लगाकर बैठे चार युवकों ने अधेड़ को रोककर गाली गलौज करके जमकर पीटा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। भौनिया निवासी मोतीलाल ने बताया कि वह खेत से घर जा रहा था। तभी रास्ते में घात लगा कर बैठे गांव निवासी कामता प्रसाद, देवी दयाल, लालाराम एवं कामता ने गाली गलौज करके जमकर मारा पीटा। पुलिस ने चारों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा कायम किया है।

मानव सम्पदा पोर्टल पर विवरण अपलोड न करने वाले कार्मिको का वेतन होगा बाधित

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि शासन द्वारा निर्देश दिये गये है कि अधिकारियों, कर्मचारियों का चल अचल सम्पत्ति का विवरण मानव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों का माह अगस्त 2024 का वेतन आहरित किया जाय। उन्होनें बताया कि जनपद के समस्त अहरण वितरण अधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि शासन द्वारा जारी आदेश का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का चल अचल सम्पत्ति विवरण मानव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें ताकि माह अगस्त 2024 को वेतन अहरित हो सके।

बकरी चोरी का खुलासा 05 अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में उ0नि0 रामहिन्द सिंह थाना मोहनगंज मय हमराह द्वारा तलाश वांछित व देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अल्टो कार एवं बोलेरो पिकअप लोडर पर सवार 05 अभियुक्तों सद्दाम पुत्र इबरार उम्र करीब 23 वर्ष मुनव्वर पुत्र इबरार उम्र करीब 19 वर्ष 3. इबरार पुत्र कल्लू उम्र करीब 55 वर्ष निवासीगण ग्राम खैरहना थाना महाराजगंज जनपद रायबरेली 4. सैफ पुत्र अयूब उम्र करीब 22 वर्ष निवासी वारिसगंज थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक जनपद अमेठी ।मेवालाल पुत्र भीखे निवासी ग्राम कैमा थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक जनपद अमेठी को ग्राम बधौना रोड से गिरफ्तार किया गया एवं 02 व्यक्ति मौके का फायदा उठा कर फरार हो गये ।तलाशी से अभियुक्त सद्दाम के पास से कुल 29,000 रुपये बरामद हुए, अभियुक्त मुनव्वर के कब्जे से कुल 7,000 रुपये बरामद हुए, अभियुक्त इबरार के कब्जे से कुल 7,000 रुपये बरामद हुए, अभियुक्त सैफ के कब्जे से कुल 7,000 रुपये बरामद हुए एवं अभियुक्त मेवालाल के कब्जे से कुल 7000 रुपये बरामद हुए ।

बरामद रुपये एवं वाहनों के सम्बन्ध में पूछने पर अभियुक्तों ने बताया कि हम पांचो लोग व 02 व्यक्ति जो अभी मौके से भाग गये हैं जिनके नाम 1. सहजाद 2. आजाद पुत्रगण बादशाह खान निवासीगण ग्राम दिलावलगढ़ मजरे आजादपुर थाना इन्हौना जनपद अमेठी हैं ने मिलकर रात्रि में ग्राम भदोहरा के दो घरों से कुल 06 बकरियां चोरी करके इसी अल्टो कार एवं बोलेरो पिकअप पर लाद कर भाग गये थे ।चोरी की सभी बकरियों को हम लोगों ने बाजार में कुल 58,000 रुपये में बेच दी थी जिसमें से 1000 रुपये खर्च हो गया था ।शेष 57,000 रुपये बचे थे जिन्हे हम लोग आपस में बांटने के लिये इकट्ठा हुए थे गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

अमेठी में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी में देर रात तक कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। डीएम और एसपी ने संग्रामपुर थाने में जाकर नंदलाल की पूजा अर्चना की तो हनुमान गढ़ी मंदिर पर कान्हा के जन्म के बाद प्रसाद वितरण हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।वही सुरक्षा को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे और चप्पे चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया गया था।दरअसल कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर लेकर गांव से लेकर कस्बे तक गुलजार रहे।देर रात तक कान्हा के जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया। अमेठी कस्बे के देवीपाटन मंदिर, भोलेनाथ मंदिर,गुड़ मण्डी,अस्प्ताल गली और हनुमान गढ़ी मंदिर पर भव्य कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जिले के सभी थानों में भी कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया

सीडीपीओ के कभी कभार आने से हैलो डॉक्टर दीदी कार्यक्रम नहीं पकड़ रहा रफ्तार

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। बाल विकास परियोजना की सीडीपीओ के कभी कभार आने से शासन स्तर द्वारा संचालित हेलो डॉक्टर दीदी कार्यक्रम को गति नहीं मिल पा रही है। डीपीओ के सख्त निर्देश के बाद यह कार्यक्रम ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। प्रदेश में यह कार्यक्रम 12 जनपदों में संचालित हो रहा है। जिसमें हमीरपुर जनपद भी शामिल है।

गत 14 अगस्त को जिला कार्यक्रम अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने जनपद की समस्त परियोजना अधिकारियों को पत्र भेज कर निर्देशित किया था कि हेलो डॉक्टर दीदी कार्यक्रम के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित करके इस कार्यक्रम को सफल बनाएं। लेकिन यहां तैनात बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रीति भिलवारे के कभी कभार आने से अभी तक इस कार्यक्रम को गति नहीं मिली है। जबकि इस माह इस कार्यक्रम को घर-घर जाकर महिलाओं को जागरूक करना था। ब्लॉक प्रमुख जयनरायन सिंह यादव एवं खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार ने बताया कि सीडीपीओ अगस्त माह में ब्लॉक में एक दो बार दिखी हैं। विभाग के कौन-कौन से कार्यक्रम संचालित है उन्हें जानकारी नहीं है। सुपरवाइजर कामिनी पाल ने बताया कि हैलो डॉक्टर दीदी कार्यक्रम मंगलवार को मवईजार में हुआ है। बताया कि कार्यक्रम की टीम द्वारा अभी तक दिन व स्थान की सूची नहीं दी गई है।जिससे समस्या आ रही है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह
समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।
मो. – 9838159555, 9935457982
E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

हमारे परिवारों में सास-बहू का रिश्ता एक टकराहट भरा माना जाता है। सास ही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने भी बहू एक दबाव महसूस करती है। घर के आंगन में वह अपने आपको अकेला खड़ा पाती है। ऐसा हमारी परंपरागत सोच के कारण है। परिवार की बड़ी सदस्य होने के नाते अगर सास चाहे तो अपनी नई सोच से बहू को परिवार में वो प्यार, सम्मान दिला सकती है, जिसकी वह हकदार है।

नई सोच के बदलाव का सिरा थामें सासू मां

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

आज समाज में बहुत बदलाव आ चुका है। बहू-बेटियों की सोच-समझ परिष्कृत हुई है। बावजूद इसके अपने ही आंगन में बहुएं खुद को अकेला खड़ा पाती हैं। कभी सास भी यही महसूस करती थी, जो आज बहू के हिस्से है। आज बहू जिस अनुभूति को जी रही है, आने वाले कल में इस देहरी में दाखिल होने वाली किसी घर की बेटी के हिस्से भी शायद यही आए। आखिर कैसे टूटे अपनों के बीच असहजता की यह कड़ी? क्यों ना वह स्त्री इस बदलाव की जिम्मेदारी उठाए, जो घर की बड़ी है, सामर्थ्यवान है। जी हां, गांवों-कस्बों से लेकर महानगरों तक, सास के व्यवहार का बदलना सदा के लिए स्त्री जीवन में सुधार की एक नई लकीर खींच सकता है।

संबंधों का साझा सफर

सास-बहू के बीच की अनबन कोई बड़ा झगड़ा नहीं बल्कि एक जज्बाती जद्दोजहद होती है। सबसे पहले तो सास को यह समझना होगा कि बहू बनकर आने वाली स्त्री का भी घर में बराबर का हक है। वह भी सम्मान की अधिकारी है। उसका मन भी रिश्तों का प्रेमपगा भाव जीने का हकदार है। बहू भी ससुराल के आंगन में अपने अस्तित्व और व्यक्तित्व की स्वीकार्यता चाहती है। वह ना तो सास की प्रतियोगी बनकर आती है और ना ही आपके अधीन रहने वाले घर के नए सदस्य के रूप में परिवार से जुड़ती है। यहां यह समझना होगा कि सास-बहू का रिश्ता एक साझी यात्रा है, जो एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ने के सफर को आसान और खुशनुमा बनाती है। घर में बरसों से स्थापित और वरिष्ठ सदस्य होने के नाते सास के हिस्से बहू को सहज महसूस करवाने की जिम्मेदारी ज्यादा होती है। देखा जाए तो यह सासू मां का प्यारा-सा कर्त्तव्य भी है। जरूरी है कि सास एक तयशुदा माइंडसेट से बाहर निकलकर इस सफर को अपनेपन के अहसासों से सींचे।

बदलावों को स्वीकारें

सास अपनी भूमिका निभाते हुए स्त्री बनकर दूसरी स्त्री का मन समझे। नएपन के इसी पड़ाव पर जो कुछ उसने सहा, उसे बहू की नियति ना बनने दे। ना ही जानते-बूझते उसके लिए पुराने जमाने के बंधनों को और कसने की कोशिश में जुट जाए। सास नहीं बल्कि एक महिला बनकर सोचे। इस रिश्ते में दबाव नहीं, भावनात्मक जुड़ाव काम आता है। शिकायत नहीं, सामंजस्य बनाने की सोच रखने और समझाइश देने से बात बनती है। समय के साथ आए बदलावों को खुले दिमाग से स्वीकारना भी जरूरी है। बहू को दबाकर रखने की सोच, खुद को भी बेचैनी और नेगेटिविटी के घेरे में ही लाती है। बेवजह की खींचतान और दखलअंदाजी से ना केवल खुशी के लम्हे बोझिल हो जाते हैं, रिश्ते में दूरियां भी आती हैं। एक-दूसरे के लिए अंडरस्टैंडिंग बनाने के इस फ्रंट पर पहले सासू मां को ही डटना होगा।

सम्मान-स्नेह से भरेगी झोली

औपचारिकता भर नहीं बल्कि सच्चे जुड़ाव के साथ बहू के लिए सहज परिवेश बनाने के बदले सास भी खूब स्नेह पाएगी। सम्मान और प्यार से उसकी झोली भी भरेगी। हुकुम चलाने के बजाय बहू को संबल देना आज ही नहीं आने वाले कल में भी उसके मन में सुरक्षा का भाव भरेगा। दो पीढ़ियों के रिश्ते को नई ऊर्जा से सींचेगा। बहू के अच्छे भाव-चाव और बर्ताव की प्रशंसा करके सास भी सराहना ही पाएगी। ईर्ष्या और आलोचना करने के बदले तो अहसासों की कटुता ही मिलेगी। इसलिए सास घर की वरिष्ठ सदस्य होने के नाते इस रिश्ते की शुरुआत प्यार के साथ करे। सास पहले दिन से ही बहू को यह महसूस कराए कि यह घर भी उसका अपना घर है।

याद रहे कि सास-बहू दोनों के रिश्ते की सहजता से ही पूरे परिवार की सुख-शांति तय होती है। साथ ही इन सकारात्मक अनुभूतियों के बदले मिला आदर उपहार की तरह सास के हिस्से आएगा।

बदलें दोहरी रवायतों के रुख

हमारी पारिवारिक व्यवस्था में आज भी बहुत-सी बातें दोहरा चरित्र लिए हैं। घर की बेटी और बहू के प्रति सोच में भी अंतर दिखता है। बहू से हर बात में स्नेह और सम्मान की अपेक्षा रखने वाले परिजन खुद घर के उस एक मेंबर के प्रति विनम्र नहीं रहते। खासकर सासू मां की तो बातें या एक्शन हर्ट करने वाला होता है। इतना ही नहीं, पीहर से दहेज-सौगात लाने से लेकर नौकरी करने, रीति-रिवाज मानने या अपने मन-मुताबिक पहनने-ओढ़ने का व्यवहार बहू से जुड़ी बातों में मीनमेख निकालने का बर्ताव अधिक देखने को मिलता है। जबकि उसी घर की बेटियां इन नियमों की सीमा से बाहर होती हैं। बहू को हर मोर्चे पर नियम-कायदों में ढालने के बजाय, उसके मन की सुनने का भाव भी सासू मां में होना चाहिए। इस पहलू पर सास ही बदलाव ला सकती है। ना तो खुद बहू का मन दुखाने वाला बर्ताव करें और ना ही परिवार के दूसरे सदस्यों को करने दें।

जीवनशैली
सरस्वती रमेश

खुश रहना चाहती हैं तो इन गलतियों से बचें

जीवन में खुश रहना हमारे ही हाथ में होता है। अगर हम शुरुआत से ही अपने जीवन, रिश्तों और करियर को लेकर अवेयर रहें, तो तमाम गलतियों से बचे रहे सकते हैं। इससे हमारे जीवन में हमेशा खुशियां बनी रहेंगी।

कुछ बातें ऐसी होती हैं, जिन्हें करने से पहले हमें दस बार सोच लेना चाहिए। ये वो बातें होती हैं, जो हमारी जिंदगी की दिशा बदल सकती हैं। जिन्हें मानना हमारे करियर और पर्सनल लाइफ दोनों को नुकसान दे सकता है। आइए, जानते हैं वो बातें, जिनसे दूर रहना चाहिए। इनके प्रति सचेत रहना चाहिए।

स्टडी को हल्के में मत लें: बात शुरू करते हैं स्टूडेंट लाइफ से। इन दिनों पढ़ाई के साथ मौज-मस्ती का भी समय होता है। यही वो समय होता है, जब हमारी जिंदगी बनती या बिगड़ती है। लाइफ के इस फेज को अपनी तरह से जीने का हक सभी को है, लेकिन ध्यान रखें कि यह हमारी लाइफ का गोल्डन पीरियड होता है। पढ़ाई के लिहाज से भी और दोस्ती के लिए भी, लेकिन आपकी पढ़ाई आपके लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सतर्क रहें, यारी-दोस्ती के चक्कर में आपका कीमती समय बर्बाद ना हो। अपनी पढ़ाई को कभी हल्के में ना लें। याद रखें, यह आपके करियर की पहली सीढ़ी है।

दूसरों की पसंद का करियर ना चुनें: अकसर यह देखा जाता है कि बच्चे वही करियर चुनते हैं, जो उनके माता-पिता चाहते हैं। हमारा मन कहीं और रमता है और हम कहीं और अपनी चाहतों का गला घोंट कर खप रहे होते हैं। जरा सोचिए, जिस काम में हमारी रुचि ही नहीं है, भला उसमें हम हंड्रेड परसेंट कैसे दे सकते हैं? ऐसा ना करें। करियर अपनी पसंद और प्रतिभा के अनुसार चुनें। जिंदगी हमें एक बार मिलती है, इसे बिना रुचि वाले काम में लगाकर खत्म करना सही नहीं है। और फिर पसंद के काम में कामयाब होने की संभावना भी कहीं ज्यादा रहती है।

खुश करने के लिए ना बोलें 'हां': किसी का मन रखने के लिए या किसी को खुश करने के लिए हम ऐसी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले लेते हैं, जिसे निभाना हमारे वश में नहीं होता। ऐसा कतई ना करें। माना कि आपकी 'ना' किसी का दिल दुखा सकती है, लेकिन 'हां' कहने के बाद यदि वह जिम्मेदारी आप वहन ना कर सकें तो आप उसे कहीं ज्यादा चोट पहुंचाएंगी। इसलिए प्रैक्टिकल बनें, सीधे ना कहिए। आप उसे किसी उपयुक्त व्यक्ति का नाम सुझा कर बच सकती हैं।

शादी के लिए जॉब ना छोड़ें: कुछ लोग खासकर लड़कियां, शादी तय होते ही अपनी जॉब रिश्ते के लिए कुर्बान कर देती हैं। हमारे बड़े-बुजुर्ग भी हमें इमोशनली ब्लैकमेल करने लगते हैं। वह कहने लगते है, 'हाय शादी के बाद इतनी दूर जॉब कैसे करेगी? पति के बारे में भी खयाल कर।' ऐसी बातें करके हमें जॉब करने के लिए हतोत्साहित किया जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं शादी या रिलेशनशिप जीवन में बहुत अहम होता है, लेकिन आज के दौर में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना भी जरूरी है।

बीती जिंदगी में ना जाएं: जिंदगी में कई बार कई लोग ऐसे होते हैं, जिनसे हमारा रिश्ता खत्म हो चुका होता है। जैसे किसी तलाकशुदा महिला का अपने पूर्व पति और उनके रिश्तेदारों से रिश्ता टूट जाता है। इसलिए ऐसे लोगों से मिलने या संबंध रखने से बचें। आपको दुख ही मिलेगा। देखने-सुनने में ये सारी बातें मामूली लग सकती हैं, लेकिन इन बातों का ख्याल रखें। आपकी जिंदगी को रफ्तार देने में ये बातें नई एनर्जी देने का काम करेंगी, जिंदगी को खुशियों से भरेंगी।

ऑयली स्किन से हैं परेशान ट्राई करें होममेड पैक्स

एडवाइस
निकिता

हर महिला की चाहत होती है कि उसकी स्किन शाइनी और ग्लोइंग नजर आए। लेकिन जब स्किन ऑयली होती है तो फेस ऑयल को कंट्रोल करना टफ होता है। लेकिन अगर इसे कंट्रोल नहीं किया जाए तो ब्लैक हेड्स और पिंपल्स जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप भी अपनी ऑयली स्किन से परेशान हैं और बाजार के केमिकल युक्त महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहतीं तो यहां हम आपको ऐसे होम मेड फेस पैक्स के बारे में बता रहे हैं, जो ऑयल को कंट्रोल कर स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग दिखाने में हेल्पफुल हैं। ऐसे ही दो इफेक्टिव होममेड फेस पैक्स के बारे में जानिए।

केला-बादाम तेल फेसपैक: अगर आप ऑयल कंट्रोल करने के साथ ही स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग दिखाना चाहती हैं तो केले और बादाम के तेल का फेसपैक आपके लिए सूटेबल रहेगा। आप एक केले के गूदे में दो बूंद बादाम का तेल अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस पेस्ट को चेहरे पर थोड़ी देर के लिए लगाएं। फिर मसाज करके अच्छे से चेहरे को सादे पानी से धो लें। इस पैक को हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करें। कुछ ही दिनों में आपको नया निखार नजर आने लगेगा।

मिल्क-ओट्स फेसपैक: आप किसी वेडिंग में जा रही हैं और चाहती हैं कि बिना मेकअप के आपकी स्किन ऑयल फ्री और ग्लोइंग नजर आए तो दूध और ओट्स का फेस पैक लगाएं। दूध और और ओट्स में विटामिंस और फैटी एसिड होते हैं। ये दोनों ही स्किन को ब्राइट और हेल्दी बनाते हैं। ओट्स स्किन की रेडनेस और जलन को भी खत्म करता है। इस पैक को बनाने के लिए 1 चम्मच ओट्स में 3-4 चम्मच दूध डालकर तब तक फेंटें, जब तक इसका पेस्ट ना बन जाए। इसके बाद इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। जब पैक अच्छे से सूख जाए तो इसे सादे पानी से धो लें। इससे आपके फेस का एक्सट्रा ऑयल रिमूव हो जाएगा।

(ब्यूटी एक्सपर्ट-हेयर एक्सपर्ट तनुम खान से बातचीत पर आधारित)

हमारी सोच ही हमारी जिंदगी को आसान या कठिन बनाती है। अगर जीवन से जुड़ी कुछ सच्चाइयों को हम साफतौर पर समझ लें और अपनी सोच को व्यावहारिक रखें तो जिंदगी को बेहद आसानी और बेहतर ढंग से जी सकते हैं।

जिंदगी हो जाएगी आसान हम समझ लें अगर...

सेल्फ मोटिवेशन
अंजू जैन

हम सबके जीवन में अच्छे-बुरे समय के कई दौर आते और जाते रहते हैं। कई बार हम बेहद निराश हो जाते हैं तो कई बार हार मानकर बैठ जाते हैं। अगर हम कुछ छोटी-छोटी बातों को समझ लें तो इस स्थिति से बच सकते हैं। अपने हिस्से की खुशियां हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ अस्थायी है: जब भी आप मुसीबत से घिरी हुई हों या असफल हो रही हों तो एक बात को मन ही मन दोहराती रहें, सब कुछ अस्थायी है। कोई भी अड़चन या असफलता स्थायी नहीं होती। जैसे हम सांस छोड़कर, वापस लेते हैं, वैसे ही मुसीबतें भी आती हैं और चली जाती हैं। हमारे ईमानदार प्रयासों और कठिन मेहनत से हर मुश्किल दूर हो जाती है। ना खुशी और सफलता स्थायी है ना दुख और असफलता।

जीवन सरल नहीं होता: जीवन में हमेशा वैसा नहीं हो सकता जैसा आप चाहती हैं। जीवन सरल नहीं होता। एलन मस्क ने ठीक ही कहा है, 'जब कोई चीज बहुत महत्वपूर्ण हो तो आपको उसे तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद करना ही होता है।' आपको समझना होगा कि पहाड़ पर चढ़ने का रास्ता सरल नहीं होता। लेकिन यह भी सही है कि इसकी चढ़ाई का कोई एक रास्ता नहीं होता। हमेशा वहां पहुंचने का एक दूसरा रास्ता भी होता है। इसलिए उन्नति के लिए वही करें, जो सही हो, ना कि वह जो आसान या पॉपुलर हो। सफल लोग अपनी मंजिल तक पहुंचने के रास्ते खुद बनाते हैं।

नुकसानदायक है रिस्क ना लेना: दुनिया भर के कई अर्थशास्त्री, मनोवैज्ञानिक, व्यवहार विशेषज्ञ और लाइफ कोच अलग-अलग तरीकों से बताते रहे हैं कि 'नो पेन-नो गेन' या 'नो रिस्क-नो गेन।' कुछ पाना है तो आपको दांव लगाना ही होगा और कोशिश भी करनी होगी। कंफर्ट जोन में रहकर आप जीवन में कभी बड़े परिवर्तन नहीं कर सकते। इस संबंध में विलियम फॉकनर ने बहुत बढ़िया बात कही है, 'आप किसी नए क्षितिज को तब तक नहीं छू सकते, जब तक आप किनारे को बहुत दूर ना छोड़ दें।'

तन-मन से रहें एक जगह: जो लोग हमेशा अन्यमनस्क रहते हैं, वर्तमान में नहीं जीते, वे जीवन में ना सिर्फ लगातार पीछे जाते हैं बल्कि दुखी भी रहते हैं। अगर आप वर्कप्लेस में, परिवार में या सोसाइटी में सफलता-प्रतिष्ठा चाहती हैं तो वर्तमान पलों के साथ रहें। जहां आपका शरीर है, वहीं मन भी होना चाहिए। जान लें कि बंटे हुए मन से कुछ भी हासिल नहीं होता है।

ना सोचें जरूरत से ज्यादा: ओवर थिंकिंग यानी किसी मुद्दे पर जरूरत से ज्यादा सोचना उस समस्या का हल नहीं सुझाता। ऐसा करने से आपका समय, धन और ऊर्जा सब नष्ट होते हैं। कोई भी समस्या उस पर चिंतन, विश्लेषण और उसका मुकाबला करने से हल होती है, चिंता करने से नहीं। मार्क ट्वेन ने क्या खूब कहा है, 'अधिक चिंता करना ऐसा कर्ज चुकाने जैसा है, जो आपने लिया ही ना हो।'

हमेशा ना रहें दुखी: अपने आप को लोगों या अपने अतीत द्वारा नियंत्रित ना होने दें। कुछ लोगों को मानो दुखी होने में मजा आता है। वे खुशी के पलों में भी यह सोचकर दुखी हो जाते हैं कि थोड़ी देर बाद तो मुझे फिर से उसी दुनिया में लौट जाना है। अगर आप आनंद के पलों में भी खुद को राहत नहीं देना चाहतीं या अतीत/भविष्य की बात सोच कर दुखी हो जाती हैं, तो जाहिर है आप खुश रहना ही नहीं चाहतीं।

वही करें, जो पसंद हो: अगर आपको अपने जीवन में आगे बढ़ना है तो वह काम करें, जो आपको पसंद हैं या फिर आप जो काम करते हैं, उससे मन से प्यार करें। तभी आप अपने प्रोफेशन या बिजनेस को पूरा एफर्ट दे पाएंगी।

प्रेगनेंसी के दौरान डाइट प्लान मिथ्स और उनसे जुड़े फैक्ट

डाइट सजेशन
डॉ.अदिति शर्मा
डाइटीशियन
मणिपाल अस्पताल, एनसीआर

प्रेगनेंसी के दौरान क्या खाएं और क्या नहीं, यह सवाल अधिकतर महिलाओं को परेशान करता है। अगर आप प्रेगनेंट हैं और आप भी कुछ मिथ्स को लेकर परेशान हैं, तो यहां हम बता रहे हैं इन मिथ्स से जुड़े मेडिकल फैक्ट्स के बारे में।

गर्भवती महिलाओं को खान-पान के मामले में लोग कई तरह की सलाह देते हैं कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं? इस संबंध में सही जानकारी ना होने के कारण कई बार बहुत कंफ्यूजन की स्थिति हो जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि डॉक्टर या डाइटीशियन से कंसल्ट कर मिथ्स के फैक्ट चेक कर लें।

मिथ: पपीता और अन्नानास जैसे ठंडे फलों का सेवन नहीं करना चाहिए।

फैक्ट: कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि ऐसे फलों के सेवन से मिसकैरेज की आशंका बढ़ जाती है, लेकिन यह आशंका निराधार है। इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि इन फलों का सेवन गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानदेह होता है। प्रेगनेंसी के दौरान हर तरह के मौसमी फलों की डेली कम से कम चार सर्विंग जरूर लेनी चाहिए। यह पोषण के लिए जरूरी हैं।

मिथ: प्रेगनेंसी के दौरान विटामिंस और मिनरल सप्लीमेंट्स जरूरी हैं।

फैक्ट: यह बात कुछ हद तक सही है। प्रेगनेंसी के फर्स्ट ट्राइमिस्टर में फॉलिक एसिड का सेवन जरूरी माना जाता है। वैसे तो गर्भवती स्त्री प्रोटीनयुक्त संतुलित और पौष्टिक आहार लें तो उनको अलग से कोई सप्लीमेंट लेने की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ मामलों में सिचुएशन अलग होती है। जैसे अगर कोई महिला वेजीटेरियन है या मॉर्निंग सिकनेस की वजह से सही से डाइट नहीं ले पा रही हैं या उसकी दो प्रेगनेंसीज के बीच में अंतराल कम हो, तो उनको न्यूट्रिशन के लिए सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत होती है। लेकिन ध्यान दें कि डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही इनका सेवन करना चाहिए।

मिथ: मछली या सी फूड खाने से शिशु को स्किन एलर्जी होती है।

फैक्ट: यह काफी पुरानी धारणा है। इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि प्रेगनेंसी के दौरान मछली या सी फूड खाने से शिशु को स्किन एलर्जी हो सकती है। मछली या सी फूड प्रोटीन, आयरन और जिंक के अच्छे सोर्स माने जाते हैं। ये गर्भस्थ शिशु के डेवलपमेंट में सहायक होते हैं। इनमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड शिशु की आंखों और ब्रेन के लिए फायदेमंद होता है। हां, सी फूड या मछली खाने से पहले इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि उसे अच्छी तरह साफ करने के बाद देर तक पकाया गया हो। इसे ताजा ही खाना बेहतर है।

मिथ: चाय-कॉफी के सेवन से शिशु त्वचा की रंगत काली होती है।

फैक्ट: इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि गहरे रंग की चीजों के सेवन से शिशु की त्वचा की रंगत काली होती है। त्वचा की रंगत का संबंध आनुवंशिक कारणों से होता है, खान-पान से इसका कोई संबंध नहीं है। हां, ज्यादा चाय-कॉफी पीने से गैस और एसिडिटी जैसी प्रॉब्लम हो सकती हैं। इससे बचने के लिए रोजाना दो कप से ज्यादा चाय या कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए।

मिथ: डिब्बाबंद या फ्रोजन फूड प्रेगनेंसी में सेफ नहीं होते हैं।

फैक्ट: यह बात बहुत हद तक सही है। फूड आइटम को डिब्बाबंद करने की वजह से इसमें फोलेट और विटमिन सी जैसे पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इसमें मौजूद नमक और प्रिजरवेटिव सेहत के लिए नुकसानदेह होते हैं, इसलिए गर्भावस्था के दौरान डिब्बाबंद या फ्रोजन फूड आइटम को अवॉयड करें।

मिथ: प्रेगनेंसी के दौरान दोगुना खाना चाहिए।

फैक्ट: गर्भस्थ शिशु के बेहतर डेवलपमेंट के लिए न्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है, इसलिए सामान्य से कुछ अधिक मात्रा में भोजन करना सही रहता है, लेकिन दोगुना खाने का कोई लॉजिक नहीं है। दोगुना या बहुत ज्यादा खाने से प्रेगनेंसी के दौरान डायबिटीज की समस्या हो सकती है। गर्भस्थ शिशु का वजन सामान्य से अधिक हो सकता है, इससे नॉर्मल डिलीवरी में रुकावट पैदा हो सकती है। इससे बेहतर यही होगा कि जितनी भूख हो उतना ही खाएं। बैलेंस और न्यूट्रिशस डाइट लें।

प्रस्तुति: विनीता